

संक्षिप्त

समाचार

यूपी के स्कूलों में पढ़ाई जाए वैदिक मैथमेटिक्स

● राजनाथ सिंह बोले- संस्कृत श्लोक के साथ कंप्यूटर कोड भी समझें विद्यार्थी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को रामलाल और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद रानीवाली स्थित उदासीन ऋषि आश्रम में गुरु पर्व समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नारायण संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का लोकार्पण किया और संतो की समाधियों का पूजन किया। संबोधन में राजनाथ सिंह ने संस्कृत को देवभाषा और भारत की ज्ञान परंपरा का आधार बताते हुए शिक्षा को आधुनिक जरूरतों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में ज्ञान को सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे परंपरा और संस्कार बनाया गया। आने वाली पीढ़ी अतीत से शक्ति लेकर भविष्य बनाए। ऐसे विद्यार्थी तैयार हों, जो संस्कृत के श्लोक के साथ कंप्यूटर कोड भी समझें। वैदिक मैथमेटिक्स की पढ़ाई शुरू की जाए- राजनाथ सिंह ने कहा कि लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में वैदिक मैथमेटिक्स पढ़ाई जाती है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में भी वैदिक मैथमेटिक्स की पढ़ाई शुरू कराने की बात रखूंगा।

स्मित मच्छार को मिला मोरारी बापू का हनुमान प्रसाद

संत ने दिए 21 लाख रुपये, दोनों बजरंग बली के मक्त

अहमदाबाद (एजेंसी)। पलाईदुर्बई के हीरो फेक्टर स्मित मच्छार ने प्रसिद्ध रामकथाकार मोरारी बापू ने 21 लाख देने का ऐलान किया है। मूलरूप से गुजरात के रहने वाले स्मित मच्छार ने 2 अक्टूबर को पलाईदुर्बई फेक्टर स्मित मच्छार ने दुर्बई से तेल अवीव था रही पलाईदुर्बई की उड़ान के दौरान कॉकपिट में हुए जानलेवा हमले और संकट के समय अदम्य साहस का परिचय देते विमान को सुरक्षित बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इससे 180 यात्रियों की जान बची थी। बाद में पीएम मोदी से बातचीत में स्मित मच्छार ने कहा था कि वह संकट के वक्त पर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। हनुमान को अराध्य के दौर पूजने वाले मोरारी बापू ने गुजरात के सूपत स्मित मच्छार को 21 लाख रुपये बतौर हनुमान प्रसाद के दौरे पर देने का ऐलान किया है। बजरंग बली को किया था याद- स्मित मच्छार के शीर्ष की चर्चा पूरे देश और दुनिया में हो रही है। स्मित मच्छार ने बड़ी आतंक की साजिश को नकार करने के बाद जब पीएम मोदी से बातचीत की थी तो उन्होंने बताया था कि वह गोस्वामी तुलसीदास रचित श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे।

भारत-फिनलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अगले साल लागू होने की उम्मीद

● फिनलैंड के राजदूत ने कहा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में भारत की अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में फिनलैंड के नए राजदूत मिको किक्विक्कोस्की ने कहा कि भारत और फिनलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अगले साल लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इस समझौते पर इस साल के आखिर में हस्ताक्षर हो जाएंगे।

कार्यभार संभालने के बाद क्या बोले मिको किक्विक्कोस्की- राजदूत का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार मिको मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू होने का मतलब होगा कि इससे करीब 2 अरब लोगों का बाजार तैयार होगा- भारत में 1.5 अरब और यूरोप में 50 करोड़ लोग। यह बहुत बड़ा बाजार होगा।

इस एग्रीमेंट पर भी चल रही बातचीत- उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते के अलावा, यूरोपीय संघ और भारत के बीच इनवेस्टमेंट प्रोटेक्शन एग्रीमेंट पर भी बातचीत चल रही है। जब इन दोनों को साथ देखें, तो हम मूल रूप से यूरोपीय संघ और भारत के बीच एक तरह के साझा इकॉनॉमिक स्पेस की बात कर रहे हैं।

अंतःराष्ट्रीय सुरक्षा में भारत की अहम भूमिका

उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन युद्ध के साथ-साथ दूसरे संघर्षों को लेकर भारत के साथ होने वाली द्विपक्षीय बातचीत को बहुत महत्व देते हैं। इनमें पश्चिम एशिया का संघर्ष भी शामिल है। हमें सुझान को नहीं भूलना चाहिए, जहां पहले से ही एक संघर्ष चल रहा है। उन्होंने कहा कि इन सभी संघर्षों को रोकने के लिए भारत जो भी प्रयास कर रहा है उसकी हम सराहना करते हैं। हम सभी चाहते हैं कि ये संघर्ष खत्म हों। इसलिए दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के नाते, सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते और रोलबल साउथ की प्रमुख आवाजों में से एक होने के नाते, भारत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दोनों दिशाओं में होंगे व्यापार और निवेश- उन्होंने कहा कि व्यापार और निवेश दोनों दिशाओं में होंगे। फिनलैंड के राजदूत ने कहा कि आज हम जिस दौर में रह रहे हैं, उसमें यह अहम है कि हमारे भरोसेमंद साझेदार हों। इस मामले में यूरोपीय संघ और भारत एक-दूसरे को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखते हैं।

भारत से कुशल कामगार आएँ फिनलैंड- फिनलैंड के राजदूत ने कहा कि फिनलैंड में 30 हजार से ज्यादा भारतीय स्थायी रूप से रह रहे हैं। इनमें करीब दो-तीन हजार छात्र हैं, जबकि बाकी लोग वहां स्थायी रूप से काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या आईटी सेक्टर और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करने वालों की है। ये लोग वहां अच्छी तरह से घुले-मिले हैं और अच्छा काम कर रहे हैं।

यूपी- राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने घोषित किए 8 उम्मीदवार

● धर्मपाल सिंह और प्रियंका समेत अनुमवी नेताओं को दिया मौका

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश से आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने अनुभवी नेताओं और नए चेहरों के मिश्रण को प्राथमिकता दी है। यह सूची पार्टी की रणनीति का एक अहम हिस्सा मानी जा रही है।

● धर्मपाल सिंह ● राधाकांत ओझा ● प्रकाश पाल ● विद्यासागर सोनकर ● गोपी कृष्ण पाण्डेय ● प्रियंका सिंह रावत ● राम प्रताप सिंह चौहान ● श्रुति गंगवार

भाजपा की ओर से जारी सूची में सामाजिक समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसमें तीन अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दो अनुसूचित जाति (एससी) और तीन सामान्य वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं। कुल उम्मीदवारों में दो महिलाएं भी हैं। सामान्य वर्ग से दो ब्राह्मण और एक राजपूत उम्मीदवार को मौका मिला है। अन्य पिछड़ा वर्ग में एक लोधी, एक पाल और एक कुर्मी उम्मीदवार को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

धर्मपाल सिंह लोधी बिरादरी से आते हैं। वह वर्तमान में योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। प्रकाश पाल संगठन में क्षेत्रीय मंत्री के पद पर कार्यरत हैं। वह पाल बिरादरी से संबंध रखते हैं, जिसे ओबीसी समुदाय में गड़रिया बिरादरी माना जाता है। विद्यासागर सोनकर दलित बिरादरी से हैं। वह पार्टी के अहम पदों पर रह चुके हैं। सोनकर पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और मछलीशहर से पूर्व सांसद भी रहे हैं।



मोबाइल चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार, आईफोन-13 बरामद



नोएडा। थाना सेक्टर-58 नोएडा पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का आईफोन-13 बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अहसान पुत्र मो. शमसुल, उम्र 24 वर्ष, निवासी सदरसा, बिहार, हाल निवासी गजियाबाद के रूप में हुई है पुलिस के मुताबिक, 4 अक्टूबर 2026 को ग्राम विशनपुरा, सेक्टर-58 में आरोपी ने एक व्यक्ति से पता पृष्ठने के बहाने संपर्क किया और मौका पाकर उसका मोबाइल फोन चोरी

कर भागने लगा। आमजन की सहायता से पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसके कब्जे से सेफ्टरंग का आईफोन- 13 बरामद हुआ। पुलिसके अनुसार आरोपीके खिलाफ पहले भी विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम तथा चोरी और बरामदगी से संबंधित धाराओं के मामले शामिल हैं। वर्तमान मामले में थाना सेक्टर-58 में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है पुलिस मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

आईएमएस लॉ कॉलेज में एससीसी ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित



नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज, नोएडा के विधि विभाग द्वारा छात्रों एवं शिक्षकों के लिए एससीसी ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। एससीसी ऑनलाइन के वाइस प्रेसिडेंट एसएमएस ने विशेषज्ञ प्रशिक्षक के रूप में प्रतिभागियों को डिजिटल माध्यम से प्रभावी कानूनी शोध की तकनीकों और व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी प्रशिक्षण के दौरान लाइव डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से एससीसी ऑनलाइन के विभिन्न टूल्स एवं फीचर्स का उपयोग समझाया गया। प्रतिभागियों को केस लॉ, जर्नल, कानून और कानूनी टिप्पणियों की प्रभावी खोज,

प्रासंगिक कानूनी प्राधिकारों की पहचान तथा शोध को व्यवस्थित और सटीक बनाने की तकनीकें बताई गई। संजय कपूर ने असाइमेंट, अकादमिक लेखन, शोध पत्र और कक्षा की तैयारी में डिजिटल कानूनी साधनों के उपयोग पर भी जानकारी दी। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने कहा कि कानून के क्षेत्र में डिजिटल रिसर्च की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। प्रशिक्षण छात्रों और शिक्षकों के अकादमिक एवं शोध कार्य में उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने कानूनी शोध से जुड़े सवाल पूछे और विशेषज्ञ ने उनका समाधान किया।

नशे के खिलाफ जागरूकता और सामाजिक सुधार पर इजलास-ए-आम आयोजित



गजियाबाद। जमीयत उलैमा शहर गजियाबाद की ओर से रविवार को हजरत बिलाल मरिजद, बालाजी विहार, अर्थला, मोहन नगर में इस्लाम-ए-मुआशरा व नशे के खिलाफ इजलास-ए-आम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक बुराइयों और उनके समाधान को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने विशेष रूप से नशे के बढ़ते प्रचलन और युवाओं एवं बच्चों पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की। लोगों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशे

की रोकथाम के लिए परिवार और समाज के स्तर पर सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मौलाना असर मुहम्मद, मौलाना मुहम्मद फारूख कासमी, मुफ्ती मुहम्मद मुज्जबा कासमी, कारी इस्लामुद्दीन, मुफ्ती मुहम्मद मुस्तकीम, हाफिज मुबीन अहमद, हाजी इस्माईल, कारी साबिर सहित कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में युवाओं को नशे से बचाने, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

विशेषज्ञों के अनुसार 2030 तक रोबोटिक सर्जरी में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है भारत



वैशाली/गजियाबाद। भारत तेजी से रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में दुनिया के प्रमुख केंद्रों में अपनी जगह बना रहा है। रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम की स्थापना और रोबोटिक सर्जरी की संख्या, दोनों ही मामलों में दिल्ली-एनसीआर देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह जानकारी मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मिनिमल एक्सेस, बैरिपेटिक एंड रोबोटिक सर्जरी के प्रिंसिपल डायरेक्टर एवं हेड डॉ. विवेक बिंदल ने दी। सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी (रफ़) इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के 39 अस्पतालों में रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम उपलब्ध हैं। इनमें 11 अस्पतालों में एक से अधिक रोबोटिक प्लेटफॉर्म हैं। दिल्ली-एनसीआर में रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी की संख्या 2021 में 2,257 से बढ़कर 2025 में 10,937 हो गई, जो लाभार्थ पांच गुना वृद्धि है। राष्ट्रीय स्तर पर भी यह संख्या 2021 में 8,912 से बढ़कर 2025 में 44,857 हो गई। डॉ. विवेक बिंदल ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी का अमला चरण नवाचार, प्रशिक्षण और कनेक्टिविटी से निर्धारित होगा। रोबोटिक टेली-सर्जरी जैसी उभरती तकनीकें भौगोलिक सीमाओं को कम करने और विशेषज्ञ सर्जिकल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर बढ़ते वैश्विक अनुभव, तकनीकी प्रगति और कोशल विकास के साथ भारत के पास वैश्विक स्तर पर रोबोटिक सर्जरी के भविष्य को दिशा देने की क्षमता है। हाल ही में डॉ. विवेक बिंदल ने भारत और चीन के बीच लाइव क्रॉस-बॉर्डर रोबोटिक टेली-सर्जरी का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में अत्याधुनिक कनेक्टिविटी और रोबोटिक तकनीक के माध्यम से भौगोलिक सीमाओं के पार सर्जिकल सहयोग की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली अत्याधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं और निरंतर नवाचार के माध्यम से रोबोटिक एवं मिनिमली इन्वेसिव सर्जरी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिलाओं को लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए आगे आना चाहिए : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। महिलाओं को लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए आगे आना चाहिए और विकसित भारत के निर्माण में सार्थक योगदान देना चाहिए। हमारे लोकतंत्र की शक्ति समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी में निहित है और वर्ष 2047 के भारत के निर्माण में युवा महिलाओं की विशेष एवं महत्वपूर्ण भूमिका है, यह बात दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने युवा संवाद कार्यक्रम के तहत आज दिल्ली विधानसभा का भ्रमण करने पहुंची दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज की छात्राओं के साथ संवाद के दौरान कही। इस भ्रमण के माध्यम से छात्राओं को क्लासरूम की पढ़ाई से आगे बढ़कर एक लोकतांत्रिक संस्था के कामकाज को प्रत्यक्ष रूप से समझने तथा संविधान, विधायी प्रक्रियाओं और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भूमिका के बारे में निकटता से जानने का अवसर मिला। छात्राओं ने विधानसभा परिसर का भ्रमण किया और इसकी समृद्ध



लोकतांत्रिक एवं संसदीय विरासत से परिचित हुई। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के साथ संवाद के दौरान छात्राओं ने लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों, विधायी कार्यप्रणाली, सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर खुलकर एवं सार्थक चर्चा की। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक संवाद में भाग लिया तथा लोकतांत्रिक शासन और सदन की

कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। श्री गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल मतदाता के रूप में सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह सार्वजनिक नेतृत्व, नीति निर्माण, विधायी बहस और निर्णय प्रक्रिया तक विस्तृत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत @2047 की दिशा में भारत की यात्रा के लिए युवा महिलाओं की समान भागीदारी, प्रतिभा

और नेतृत्व अत्यंत आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष ने छात्राओं को सार्वजनिक विषयों के प्रति जिज्ञासु बने रहने तथा अपने संवैधानिक अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों को भी समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए और संवाद, तार्किक विचार-विमर्श तथा संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से विभिन्न विषयों को समझने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने दिल्ली विधानसभा की ऐतिहासिक विरासत को करीब से जाना तथा इस भवन के भारत के संसदीय इतिहास से संबंध और इससे जुड़ी महत्वपूर्ण विभूतियाँ एवं ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्हें विधानसभा की विरासत से जुड़ी विभिन्न पहलों तथा विधानसभा की समृद्ध ऐतिहासिक यात्रा को संकलित करने वाली कॉफी टेबल बुक एक शताब्दी यात्रा से भी परिचित कराया गया।

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों को हरियाणा में निवेश के लिए किया आमंत्रित, हर कदम पर सहयोग का आश्वासन



नौरज पाण्डेय नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंगपुर में सिंग फोरम के मंच पर विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और प्रदेश में निवेश के नए अवसरों पर चर्चा की। बैठक में प्रदेश में डाटा सेंटर स्थापित करने, हिसार के आसपास रक्षा क्षेत्र में निवेश, आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और नई तकनीक अपनाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार उद्यमियों और निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपस्थित

उद्यमियों को हरियाणा में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार निवेशकों के हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहेगी और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। बैठक में पानीपत में आवासीय क्षेत्र के विकास तथा गुरुग्राम में किराफायती दर पर आवासीय क्षेत्र विकसित करने और किराये के लिए आवास नीति से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में सुलभ और किराफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे मेक इन इंडिया

अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा इस अभियान की आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने प्रदेश को औद्योगिक और तकनीकी विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों और सकारात्मक रुख की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों के हितों की रक्षा और परिशेजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक सहयोग निरंतर उपलब्ध कराया जाएगा।

हिंदू कॉलेज में शिक्षकों के धरने को छात्रों का समर्थन

नई दिल्ली। हिंदू कॉलेज में तीन वरिष्ठ शिक्षकों को जारी कारण बताओ नोटिस के विरोध में चल रहे शिक्षकों के धरने को छात्रों ने भी समर्थन दिया है। हिंदू कॉलेज स्टाफ एसोसिएशन (एचसीएसए) 14 सितंबर से धरने पर है। एसोसिएशन ने खेल और इंडीय श्रेणी में तय संख्या से अधिक दाखिलों में संभावित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए प्राचार्य के खिलाफ अविश्वस प्रस्ताव पारित किया है। सोमवार को कॉलेज में गर्वनिंग बॉडी की बैठक के दौरान शिक्षक और छात्र विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। राज्यसभा सांसद मनोज झा और शिक्षाविद् प्रो. अणुवानंद भी प्रदर्शन में पहुंचे और शिक्षकों व छात्रों के आंदोलन का समर्थन

किया। मनोज झा ने कहा कि कॉलेज की स्थिति में गिरावट देखकर वह निराश और स्तब्ध हैं। उन्होंने परिसर में पुलिस की मौजूदगी पर भी आपत्ति जताई और कहा कि इससे शिक्षक और छात्रों को अपनी बात रखने से रोकने तथा डराने का संदेश जाता है। उन्होंने तीन शिक्षकों को जारी कारण बताओ नोटिस पर भी सवाल उठाया। प्रो. अणुवानंद ने कहा कि कॉलेज में प्रशासन के हाथों में सत्ता के केंद्रीकरण के कारण स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। दोनों ने शिक्षकों और छात्रों के संघर्ष का समर्थन करते हुए एचसीएसए को बधाई दी। प्रदर्शन में डूटा और फेडक्यूटा के पदाधिकारी तथा अन्य लोग भी मौजूद रहे।

ब्लू डार्ट 1 जनवरी 2027 से बढ़ाएगी कीमतें



मुंबई। ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड ने 1 जनवरी 2027 से सामान्य मूल्य वृद्धि (GPI) लागू करने की घोषणा की है। घरेलू सेवाओं के पोर्टफोलियो में यह वृद्धि उत्पाद और ग्राहक के शिपिंग प्रोफाइल के आधार पर 9 से 12 प्रतिशत के बीच होगी। कंपनी के अनुसार, वार्षिक मूल्य समीक्षा परिलालन लागत में बदलाव, सेवा गुणवत्ता बनाए रखने और नेटवर्क क्षमता में निरंतर निवेश को ध्यान में रखकर की गई है। 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 के बीच जुड़ने वाले ग्राहकों को आगामी मूल्य वृद्धि

से छूट दी जाएगी। ब्लू डार्ट के प्रबंध निदेशक बैलफर मैनुअल ने कहा कि बदलते कारोबारी माहौल में भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स सेवाओं की मांग बढ़ रही है। मूल्य संशोधन से इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीक और नेटवर्क क्षमता में निरंतर निवेश को समर्थन मिलेगा। मुख्य वार्षिक अधिकारी दीपांजन बैनर्जी ने कहा कि बढ़ती ब्रूम, वृटिलिटी और महंगाई संकष्टों लागत के बीच कंपनी उत्पादकता, ऑटोमेशन और नेटवर्क के बेहतर इस्तेमाल के जरिए लागत दबाव कम करने पर काम कर रही है।

काव्यसृजन की काव्यगोष्ठी में रही जन्मोत्सव की धूम

साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था काव्यसृजन न्यास (राष्ट्रीय) मुम्बई नित नये आयोजन करने के लिए पूरे भारत भर में सुविख्यात है। शिक्षक दिवस, हिन्दी पखवाड़ा, होली मिलन समारोह एवं संस्था का वार्षिकोत्सव जैसे अनेक आयोजन समय-समय पर बड़े ही धूम-धाम से करती रहती है। संस्था जैसा नाम, वैसा काम वाला मुहावा चरितार्थ कर रही है। कल रविवार दिनांक 4 अक्टूबर 2026 को शाम 4.30 बजे से श्रीराम जानकी मंदिर लालबहादुर शास्त्री नगर, साकीनाका मुम्बई में हुई मासिक गोष्ठी में अपने चार पारिवारिक सदस्यों का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम एवं काव्य प्रस्तुति के साथ मनाया। डॉ। नीलिमा



पाण्डेय महिला मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष, आनंद पाण्डेय केवल संस्था के उध्य सचिव, लालबहादुर यादव कमल, संस्था के कोषाध्यक्ष, व डॉ। शारद प्रसाद दुबे शरदचंद संस्था के उपाध्यक्ष जी का जन्मदिन हार्पोल्लास के साथ मनाया। बधाई देने वाले कवि व

साहित्यकारों में आत्मिक श्रीधर मिश्र, नरसिंह हैरान जौनपुरी, हौंसला प्रसाद अन्वेषी, सदाशिव चतुर्वेदी मधुर, प्रा. अंजनी कुमार द्विवेदी अनमोल, हीरालाल यादव, राकेश मिश्र, मुन्ना पाण्डेय, डॉ। पल्लवित, सजनलाल यादव, एड. राजीव मिश्र मधुकर, ओमप्रकाश

तिवारी, सावले मिश्रकोमल, शिवनारायण यादव, लक्ष्मीकान्त कमलनयन, कल्पेश यादव, विनय अथवाल, विनोद कुमार शुक्ल गुंजन, रमाशंकर यादव, अशोक यादव, वाचस्पति तिवारी, कृतायन पाण्डेय, रीता कुशवाहा, वैष्णवी तिवारी आदि रहे।

देश की वरिष्ठ कवयित्री डॉ। नीलिमा पाण्डेय की अध्यक्षता में ओमप्रकाश तिवारी ने गोष्ठी का शानदार संचालन किया। मुख्य अतिथि के रूप में एड. राजीव मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हौंसला प्रसाद अन्वेषी मंच पर मौजूद रहे। सामाजिक विसंगतियों एवं वृद्ध होते भारत पर राजीव मिश्र ने अपनी चिंता व प्रखर विचार रखे।

आभार संगठन मंत्री शिवनारायण यादव जी ने प्रकट किया।

सार समाचार

दिल्ली पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का किया

भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ, साइबर पुलिस स्टेशन और रंजीत नगर पुलिस ने रंजीत नगर में नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों जगहों से पुलिस ने 13 कंप्यूटर सिस्टम और 5 मोबाइल फोन के साथ-साथ कॉलिंग सॉफ्टवेयर, नौकरी चाहने वालों का डेटा और डिजिटल, फ़ाइनेंशियल सबूत जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि 3 सितंबर को दिल्ली के रंजीत नगर में शादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास लाल रतन बिल्डिंग से चल रहे दो संदिग्ध नकली जॉब-प्लेसमेंट, कॉलिंग सेंटरों के बारे में जानकारी मिली। इन दोनों कॉल सेंटर में बैरोजगारों से नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लिए जा रहे थे। इसवाई का पता लगाने और जरूरी कार्रवाई के लिए पुलिस की दो टीमें बनाई गईं। एक टीम में रंजीत नगर पुलिस स्टेशन और स्पेशल स्टाफ के लोग शामिल थे, जिन्होंने तकनीकी विश्लेषण और फील्ड वरिफिकेशन के जरिए जानकारी को और पक्का किया। संदिग्ध नेटवर्क की तकनीकी जांच के दौरान, पता चला कि संदिग्ध जॉब-प्लेसमेंट गतिविधि से जुड़ी बहुत सारी कॉल उसी जगह से की जा रही थीं। तकनीकी जानकारी और फील्ड वरिफिकेशन के आधार पर संदिग्ध जगह पर छापा मारा गया। छापा के दौरान चार महिलाएं और दो पुरुष मौजूद मिले और उन्हें पुछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। ऑफिस की अखी तरह से तलाशी ली गई और नौकरी चाहने वालों से संपर्क करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कंप्यूटर सिस्टम, कॉलिंग प्रतिक्रिया और डिजिटल सामग्री की जांच की गई। जांच में पता चला कि नौकरी चाहने वालों के डेटा और संपर्क विवरण का इस्तेमाल भ्रष्टाचार उन्मीदवारों से संपर्क करने और उन्हें नौकरी के अवसर देने के लिए किया जा रहा था। उन्मीदवारों से अलग-अलग पैकेज के तहत रिस्ट्रैप्शन फीस जमा करने के लिए कहा जाता था। इसके बाद कॉलर कुछ दिनों तक नौकरी और आगे की औपचारिकताओं के बारे में भरोसा दिलाकर उन्मीदवारों से संपर्क बनाए रखते थे और फिर वादा की गई नौकरी दिए बिना ही संपर्क बंद कर देते थे। इसी दौरान, स्पेशल स्टाफ और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन की एक और संयुक्त टीम ने लाल रतन बिल्डिंग से चल रहे एक और संदिग्ध नकली जॉब-प्लेसमेंट कॉल सेंटर के बारे में पक्की जानकारी मिलने पर उस जगह पर भी छापा मारा।

मुठभेड़ के बाद राशिद के बलवाला गैंग के दो शार्पशूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने भजनपुरा इलाके में ई-वेस्ट कारोबारी पर हुई गोलीबारी और जानलेवा हमले की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। डीसीपी राहुल अलवाल के मुताबिक, आरोपियों ने बताया ही कि उन्होंने यह गोलीबारी कुछात गैंगस्टर राशिद उर्फ केवलवाला के कहने पर की थी। इनकी पहचान वेलकम निवासी 23 वर्षीय जसीम उर्फ आलू और 23 वर्षीय कैफ उर्फ डीजे के रूप में हुई है। जसीम पर पहले से भी आम्स एक्ट का मुकदमा दर्ज है। इनके पास से तीन सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 18 कारतूस और वारसत में इस्तेमाल बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटा लिए हैं और मास्टरमाइंड राशिद की तलाश जारी है। डीसीपी राहुल अलवाल के मुताबिक, पुलिस को 4-5 अक्टूबर की मध्यरात्रि पुलिस को आरोपियों के इलाके में आने की गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर उस्मानपुर में नानकसर से तीसरा पुष्ता रोड पर योजनाबद्ध तरीके से ट्रेप लगाया गया। रात करीब 2-45 बजे बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर आ रहे दो संदिग्धों को जब रूकने का इशारा किया गया, तो उन्होंने पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। इस दौरान खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम को निशाना बनाते हुए 12 राउंड फायर किए, जिसमें से दो गोलियां पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर जा लगीं। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने भी 16 राउंड फायर किए, इनमें से कुछ गोलियां आरोपियों के पैरों में लगीं और घायल हालत में दोनों को दबोच लिया गया। दोनों को उपचार के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। बीते दो अक्टूबर की रात करीब 2-43 बजे सुभाष विहार, नॉर्थ घोड़ा गली नंबर 16 में इन दो स्कूटी सवार बदमाशों ने ई-वेस्ट कारोबारी के घर पर तलाक़्कड़ गोलीबारी की थी। गोलियां इमारत की बालकनी के शीशे और बाहरी दीवार पर लगीं, हालांकि गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। शिकायतकर्ता की सूचना पर पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर केस दर्ज कर जांच शुरू किया। पुलिस टीम ने आरोपियों की पहचान के लिए रेकॉर्ड सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर मुठभेड़ के बाद आरोपियों को दबोच लिया गया।

आईजीआई एयरपोर्ट पर एक करोड़ रुपये से अधिक के कीमती पत्थर जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने बैंकोंक से आए एक भारतीय यात्री के पास से 3,200 नग कीमती पत्थर और अभूषण बरामद किए हैं। जब्त सामान की कीमत 1.01 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके बाद यात्री से जुड़े परिसरों की तलाशी में बड़ी मात्रा में कच्चे और तराशे हुए कीमती पत्थर भी बरामद किए गए। कुल जब्त सामान की कीमत 2.02 करोड़ रुपये आंकी गई है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, तीन अक्टूबर को अधिकारियों ने टर्मिनल-3 पर प्रोफाइलिंग के आधार पर बैंकोंक से आए भारतीय यात्री को रोक़ा। वह दो अक्टूबर की एयर इंडिया की उड़ान से दिल्ली पहुंचा था। सामान की विस्तृत जांच और व्यक्तिगत तलाशी के दौरान 3,200 नग कीमती पत्थर और अभूषण मिले। यात्री ने पुछताछ में इन सामान को बैंकोंक से दिल्ली लाने की बात स्वीकार की। जांच को आगे बढ़ाते हुए यात्री से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। यहां से 196.676 किलोग्राम कच्चे पन्ने, 221 कैरेट तराशे और पॉलिश किए हुए माणिक तथा 45 कैरेट तराशे और पॉलिश किए हुए पन्ने बरामद किए गए। इसके अलावा मामले से जुड़े दस्तावेज और अन्य सामान भी मिले। सीमा शुल्क विभाग ने बरामद सामान को सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 110 के तहत जब्त कर लिया है। यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 104 के तहत गिरफ्तार किया गया है। विभाग के अनुसार मामले में आगे की जांच जारी है।

पराली जलाने पर रोक के लिए 34

जिलों में फ्लाइंग स्वॉर्ड तैनात

नई दिल्ली। राजधानी के रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए स्टेशन परिसर, रेलवे यार्ड, प्रवेश-निकास क्षेत्रों और आसपास के हिस्सों में नई हार्डमास्ट और पलंडी लाइट लगाई जाएगी। उत्तर रेलवे की करीब दो करोड़ रुपये की परियोजना के तहत दिल्ली में 16 मीटर ऊंचाई वाले 36 हार्डमास्ट लगाए जाएंगे। प्रत्येक हार्डमास्ट पर नौ पलंडी पलंड लाइट लगेंगी। इस तरह कुल 324 पलंड लाइट और 36 स्वचालित प्रकाश नियंत्रण पैनल लगाए जाएंगे। हार्डमास्ट में विमानन संकेत के लिए पलंडी आधारित प्रकाश की व्यवस्था भी होगी। परियोजना के तहत आनंद विहार टर्मिनल, पटेल नगर, दयावस्ती, नरला, आदर्श नगर, ओखला, शिवाजी ब्रिज और तिलक ब्रिज पर काम होगा। कुछ स्थानों पर सामान्य सड़क व्यवस्था भी मजबूत की जाएगी। बिजली आपूर्ति के लिए करीब 2,800 मीटर के बेल बिछाई जाएगी। सुरक्षा के लिए हार्डमास्ट के आसपास भारी क्षमता वाली बाड़, जाल, बंद होने वाला प्रवेश द्वार और चेनवाली संकेत लगाए जाएंगे। पर्याप्त रोशनी से रात में यात्रियों और रेल कर्मचारियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित होगी।

महापौर प्रवेश वाही ने मध्याह्न भोजन रसोई का किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने पूढ गांव स्थित मैत्रेयी मध्याह्न भोजन रसोई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान रसोई में भोजन सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई और सुरक्षा तथा स्वच्छता के सभी मानकों का पालन होता



मिला। महापौर ने भोजन तैयार करने के स्थान, कर्मचारियों की स्वच्छता व्यवस्था और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने रसोई की साफ-सफाई पर संतोष जताते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने वाली रसोइयां पांच सितारा होटलों की तरह स्वच्छ और व्यवस्थित हैं। निरीक्षण के दौरान सुबह की पाती के विद्यालयों के लिए तैयार किए गए कढ़ी-चावल तथा शाम की पाती के विद्यालयों के लिए बनाई गई पूरी-सब्जी की गुणवत्ता की जांच की गई। महापौर ने कढ़ी-चावल चखकर भोजन की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। प्रवेश वाही ने कहा कि प्रधानमंत्री पोषा अभियान के तहत मध्याह्न भोजन रसोइयां को खाद्य सामग्री और वित्तीय सहायता समय पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास में मध्याह्न भोजन की महत्वपूर्ण भूमिका है और भोजन की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

टीआई कल्याणपुरी बिनय सिंह ने कर्तव्य के साथ इंसानियत की मिसाल बनकर घायल महिला की बचाई जान

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक बार फिर अपने मानवीय चेहरे की ऐसी तस्वीर पेश की है, जिसने पुलिस और जनता के बीच भरोसे की कहानी को और भी मजबूत कर दिया है। दरअसल सड़क हादसे में एक महिला घायल होकर सड़क पर बेहेश पड़ी थी, और आसपास अफरा-तफरी का माहौल था। इसी बीच वीवीआईपी ड्यूटी पर तैनात टीआई कल्याणपुरी बिनय सिंह की नजर घायल महिला पर पड़ी। फिर जो आधा वह कर्तव्य के साथ इंसानियत की मिसाल बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम से धौला कुआं की ओर जा रही कार नंबर आरजे-14 सीएम-7632 की



महिला से टक्कर हो गई। हादसे में करीब (40 वर्षीय) परमिला पत्नी नीरज डागर सड़क पर गिरकर बेहोश हो गई। हादसे की गंभीरता को देखते हुए तुरंत टीआई बिनय सिंह ने किसी एंबुलेंस या

अन्य सहायता का इंतजार करने के बजाय तत्काल अपनी सरकारी गाड़ी को घायल महिला की मदद के लिए लगाया। टीआई बिनय सिंह उस समय अपनी टीम के साथ निर्धारित वीवीआईपी रुट

पर ड्यूटी संभाल रहे थे। उनके सामने एक तरफ वीवीआईपी सुरक्षा की जिम्मेदारी थी तो दूसरी तरफ सड़क पर जंद्गी और मौत से जुड़ा रही महिला की। उन्होंने बिना समय गंवाए घायल परमिला को अपनी सरकारी गाड़ी से आर्मी आरआर अस्पताल पहुंचाया। जहां अस्पताल पहुंचते ही परमिला को इमरजेंसी में भर्ती कराया गया वहीं चिकित्सकों ने तत्काल उनका उपचार शुरू किया। समय पर अस्पताल पहुंचने और तुरंत चिकित्सा सहायता मिलने से परमिला की जान बचाने में मदद मिली। घायल परमिला मूल रूप से महिपालपुर, नई दिल्ली की रहने वाली हैं। बताया गया कि वह अपनी मां को देखने आरआर अस्पताल आई थीं, जहां उनकी मां कैसर

से जुड़ा रही हैं। मां का हाल जानने निकली बेटी खुद सड़क हादसे का शिकार हो गई। ऐसे मुश्किल वक्त में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने परिवार के लिए मदद का हाथ बढ़ाया। घटना के बाद टीआई बिनय सिंह ने परमिला के भाई मोहित सहरावत से भी मुलाकात की और महिला को अस्पताल पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में सहयोग किया।घटना से संबंधित उपलब्ध कैमरा फुटेज में पूरा घटनाक्रम स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड नहीं हो पाया लेकिन फुटेज में टीआई बिनय सिंह की सरकारी गाड़ी के मौके पर पहुंचने और घायल महिला को आरआर अस्पताल ले जाने की तस्वीर सामने आई है। इसके बावजूद दिल्ली ट्रैफिक पुलिस टीम ने अपनी ओर से

हरसंभव प्रयास करते हुए घायल महिला को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। यह घटना सिर्फ एक सड़क हादसे की कहानी नहीं, बल्कि टी बिनय सिंह की तस्वीर है जो कठिन परिस्थितियों में भी इंसानी जंद्गी को सबसे ऊपर रखती है। वीवीआईपी ड्यूटी का दबाव अपनी जगह था, लेकिन घायल महिला की जंद्गी उस वक्त सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई। टीआई बिनय सिंह और उनकी टीम की तत्परता ने यह संदेश दिया कि पुलिस की वर्दी सिर्फ कानून लागू करने के लिए नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर जंद्गी बचाने के लिए भी होती है। ऐसे में ऐंसे टी आई बिनय सिंह को दैनिक राष्ट्रीय शान दिल से सेल्यूट करता है।

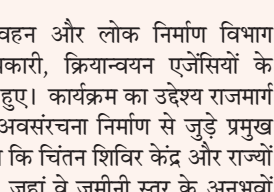
बवाना की जेजे कॉलोनी में 10 वर्षीय बच्चे की मौत, कल से लापता था बच्चा, मौके पर पहुंची पुलिस



नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बवाना जेजे कॉलोनी इलाके में एक 10 वर्षीय बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बच्चा कल से लापता था। आज बच्चे का शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जाँच शुरू कर दी। शुरूआती जांच में सामने आया कि बच्चे का गला रेतकर हत्या की जाने की बात सामने आ रही है, हालाँकि गला रेतने और हत्या की वजह की अभी तक अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जाँच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और बच्चे के लापता होने से लेकर शव मिलने तक की परिस्थितियों की जानकारी सीसीटीवी कैमरे से खंगाली जा रही है। ऐसे में पुलिस की जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण और घटना की पूरी स्थिति साफ हो सकेगी।

समय पर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं पूरी करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को गुजरात में आयोजित 'चिंतन शिविर 2026- ए नेशनल कॉन्क्लेव ऑन हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर' का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और परियोजना क्रियान्वयन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। इस दो दिवसीय



आयोजन में विभिन्न राज्यों के परिवहन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य राजमार्ग विकास, परियोजना क्रियान्वयन और अवसंरचना निर्माण से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करना है। गडकरी ने कहा कि चिंतन शिविर केंद्र और राज्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराता है, जहां वे जमीनी स्तर के अनुभवों को साझा कर सकते हैं और राजमार्ग विकास में सामने आने वाली चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान तलाश सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई गई सफल कार्य प्रणालियों और नवाचारों की पहचान की जानी चाहिए तथा जहां संभव हो, उन्हें दूसरे राज्यों में भी लागू किया जाना चाहिए। इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन

और अवसंरचना निर्माण के परिणामों को बेहतर बनाया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में राजमार्ग विकास का फोकस गुणवत्ता, सुरक्षा, गति और विश्वस्तरीय मानकों पर होना चाहिए। उन्होंने परियोजनाओं की शुरूआत से पहले बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गडकरी ने बताया कि डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करते समय विस्तृत सर्वेक्षण, सड़क के संरक्षण (एलाइनमेंट) की योजना, भूमि अधिग्रहण, उपयोगिताओं के स्थानांतरण और आवश्यक वैधानिक मंजूरीयों की समय पर व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि प्रारंभिक स्तर पर तैयारी बेहतर हो, तो परियोजनाओं में देरी और लागत वृद्धि को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को भी राजमार्ग नियोजन और परियोजना डिजाइन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर निर्माण और योजना चरण में ही उपयुक्त सुरक्षा उपकरणों को शामिल करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। चिंतन शिविर के विषयगत सत्रों में परियोजनाओं के क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और ऐसे व्यावहारिक समाधानों पर चर्चा की जा रही है, जिन्हें देशभर में दोहराया जा सके। गडकरी ने कई तकनीकों, नवाचारी निर्माण पद्धतियों और कम लागत वाली लेकिन टिकाऊ निर्माण सामग्रियों के अधिक व्यापक उपयोग का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे परियोजनाओं की गुणवत्ता बेहतर होगी और निर्माण एवं रखरखाव लागत दोनों में कमी आएगी। उन्होंने राज्यों और क्रियान्वयन एजेंसियों से आग्रह किया कि वे अपने नवाचारों और जमीनी अनुभवों को साझा करें, ताकि पूरे देश को उनका लाभ मिल सके। गडकरी ने कहा कि सड़क निर्माण और रखरखाव को और बेहतर बनाने के लिए एक्सपेंडिचन, तकनीक और निरंतर सुधार पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि यदि परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन, सुरक्षा और तकनीकी नवाचारों पर समान रूप से ध्यान दिया जाए, तो भारत विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना के निर्माण में और तेजी से आगे बढ़ सकता है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए एनसीडब्ल्यू की नई गाइडलाइंस, ऐप-बेस्ड कैब सेवाओं पर सख्ती

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने सोमवार को ऐप-बेस्ड कैब इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए गाइडलाइंस जारी कीं। इनमें फिजिकल पैकन बटन, रूट से हटने पर रियल-टाइम अलर्ट, लंबे समय तक या सदिश जगहों पर रुकने की निगरानी और एप्पीगेट्स द्वारा 247 कमांड और कंट्रोल सेंटर बनाने पर जोर दिया गया है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाकर ने कहा, "इन गाइडलाइंस का मकसद बुकिंग के समय, यात्रा के दौरान और राइड पूरी होने के बाद सुरक्षा और जवाबदेही के मौजूदा उपायों को मजबूत करना है, ताकि सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।" एक बयान में कहा गया, "आयोग सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से इन गाइडलाइंस को लागू करने के लिए उचित कदम उठाने का अनुरोध करता है।" 'ऐप-आधारित और डिजिटल ट्रांसपोर्ट मोबिलिटी सर्विस का इस्तेमाल करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए गाइडलाइंस' में एक तय समयसीमा के भीतर शिकायत निवारण सिस्टम, ड्राइवर और गाड़ी के वेरिफिकेशन और ऐप पर दिखाई गई ड्राइवर या गाड़ी की जानकारी में अंतर होने पर बिना किसी जुमाने के कैसिलेशन की सुविधा की भी सिफारिश की गई है। गाइडलाइंस में एप्पीगेट्स द्वारा सुरक्षा प्रोटोकॉल और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर की नियमित समीक्षा, तय समय-सीमा में शिकायत निवारण सिस्टम, कानून लागू करने वाली अथॉरिटीज तक शिकायतों को आगे बढ़ाना और समय-समय पर नियमों के पालन और सुरक्षा की रिपोर्टिंग पर भी जोर दिया गया है। गाइडलाइंस में कहा गया, "ड्राइवर या गाड़ी में कोई भी अनधिकृत बदलाव ऐप में सही ढंग से मार्क किया जाएगा और इसे सुरक्षा से जुड़ी लिता माना जाएगा। यह मोटर वाहन एप्पीगेटर गाइडलाइंस, 2025 के क्लॉज 15.4 के अनुसार है, जिसके लिए यात्रा करने वाले ड्राइवर की पहचान वेरिफाई करने के लिए इन-ऐप सिस्टम की जरूरत होती है, और क्लॉज 14.9 के अनुसार, ड्राइवर की साफ और हाई-रिज़ॉल्यूशन वाली तस्वीर दिखाई जानी चाहिए।" महिला ड्राइवरों का एक वेरिफाइड पुल बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए एनसीडब्ल्यू गाइडलाइंस में कहा गया, "एप्पीगेट्स महिला ड्राइवरों का एक वेरिफाइड पुल बनाए रखने की कोशिश कर सकते हैं। उपलब्धता और संभावना के आधार पर अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं को ऐप के जरिए महिला ड्राइवर का अनुपेक्ष करने का विकल्प दिया जा सकता है।" 'देर रात के समय बेहतर सुरक्षा की मांग करते हुए, गाइडलाइंस में कहा गया, "एप्पीगेट्स को देर रात के समय काम करने वाले ड्राइवरों के वेरिफिकेशन और निगरानी के लिए बेहतर सिस्टम अपनाना चाहिए।"

जंतर-मंतर 2.0 को समर्थन देने वाले संगठनों के नेताओं की जल्द हो सकती है गिरफ्तारी: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली।। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने जंतर-मंतर 2.0 आंदोलन को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने सुओं के हवाले से आशंका जताई है कि आंदोलन का समर्थन कर रहे विभिन्न संगठनों के नेताओं को जल्द ही कथित तौर पर झूठे मामलों में गिरफ्तार किया जा सकता है। भारद्वाज ने कहा कि यदि ऐसी स्थिति सामने आती है तो भी 10 अक्टूबर को प्रस्तावित शांतिपूर्ण प्रदर्शन को हर हाल में जारी रखा जाना चाहिए। सौरभ भारद्वाज के इस बयान के बाद जंतर-मंतर 2.0 आंदोलन की आगे की रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। उन्होंने आंदोलन से जुड़े नेताओं और संगठनों से संभावित गिरफ्तारियों को ध्यान में रखते हुए पहले से ही वैकल्पिक नेतृत्व तैयार रखने की अपील की है। उनका कहना है कि किसी एक नेता की गिरफ्तारी की स्थिति में आंदोलन की गतिविधियां रुकनी नहीं चाहिए और संगठनात्मक स्तर पर जिम्मेदारियां संभालने के लिए दूसरी पंक्ति का नेतृत्व तैयार रहना जरूरी है। भारद्वाज ने आंदोलन से जुड़े संगठनों के बीच संचार व्यवस्था को लेकर भी विशेष तैयारी करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्लान-बी फॉर कम्युनिकेशन तैयार किया जाना चाहिए। इसके तहत ऐसी वैकल्पिक संचार व्यवस्था होनी चाहिए, जिसके माध्यम से किसी भी विपरीत परिस्थिति में आंदोलन से जुड़े नेताओं, संगठनों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच संपर्क बना रहे। उन्होंने कहा कि किसी आंदोलन की ताकत केवल उसके नेतृत्व में नहीं होती, बल्कि उससे जुड़े लोगों की सामूहिक भागीदारी और उद्देश्य में होती है। इसी बात पर जोर देते हुए भारद्वाज ने कहा, 'हृयह आंदोलन किसी व्यक्ति, संगठन या राजनीतिक पार्टी से बड़ा है।हू उन्होंने आंदोलन से जुड़े लोगों से अपील की कि वे किसी भी दबाव या संभावित कार्रवाई के बावजूद शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाते रहें।



सौरभ भारद्वाज ने विशेष रूप से 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन को शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखने की बात कही। उन्होंने आंदोलन से जुड़े संगठनों से संभावित परिस्थितियों के लिए पहले से रणनीति तैयार करने और नेतृत्व की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि कुछ प्रमुख नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होती है, तब भी आंदोलन की निरंतरता प्राभावित नहीं होनी चाहिए।

संचार साथी पोर्टल पर विजिट्स 30 करोड़ के पार

5,000 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधड़ी रोकने में मिली मदद

नई दिल्ली।। संचार साथी पोर्टल पर मई 2023 में लॉन्च होने के बाद से कुल विजिट्स की संख्या 30 करोड़ से अधिक हो गई है और इससे 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के सट्टा साइबर-फ्रॉड से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद मिली है। यह जानकारी संचार मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इससे 14 लाख से ज्यादा खोए और चोरी हुए हैंडसेट बरामद करने में भी मदद मिली है। साथ ही, इसने अपने नाम पर मौजूद मोबाइल कनेक्शन के बारे में जानने के लिए नागरिकों के 4 करोड़ से ज्यादा अनुरोधों का समाधान किया गया। दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर से विकसित किया गया यह पोर्टल हर मोबाइल यूजर को आसान और इस्तेमाल में सरल टूल देता है, जिससे वे सट्टा कॉल या मैसेज की रिपोर्ट कर सकते हैं, यह जान सकते हैं कि उनके नाम पर कितने मोबाइल कनेक्शन चल रहे हैं, खोए या चोरी हुए हैंडसेट को ब्लॉक कर सकते हैं, और हैंडसेट खरीदने से पहले यह पता कर सकते हैं कि वह असली है या नहीं। मंत्रालय ने बताया कि पोर्टल पर हर विजिट नागरिक की सुरक्षा करती है और उनके द्वारा रिपोर्ट किया गया हर सट्टाध कम्प्युनिकेशन कई अन्य लोगों की सुरक्षा करता है। 'संचार साथी' पर नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी को ऐसी काम की जानकारी में बदला जाता है, जिससे डीओटी, बैंकों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को धोखेबाजों को उनके अगले शिकार तक पहुंचने से पहले ही रोकने में मदद मिलती है।



इस तरह, 'संचार साथी' का इस्तेमाल करने वाला हर नागरिक एक साइबर वारियर और साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ एक ढाल के तौर पर काम करता है।

भजनपुरा में देर रात गोलियों की गूंज का पुलिस ने किया हिसाब, मुठभेड़ के दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली।उत्तर पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में देर रात गोलियों की गूंज से दहले क्षेत्र में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सड़क टीम ने अपराधियों को उनके ही अंदाज में जवाब देते हुए दो आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने एक मकान की बालकनी में खड़े व्यक्ति को निशाना बनाकर फायरिंग की थी। इसके बाद जब पुलिस टीम ने दोनो को धेरकर रुकने का इशारा किया तो आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर ही ताबड़तोड़ 12 राउंड फायरिंग कर दी। गनीमत ये रही कि गोलियां पुलिसकर्मियों की बलेटपूफ जैकेट से जा टकराईं और दोनो जवान सुरक्षित बच गए। दिल्ली



पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान ज्वाइट सीपी ईस्टन रेंज मिलिंद महादेव डुमरे ने बताया कि नॉर्थ ईस्ट जिला सीपी राहुल अलवाल की देखरेख में पुलिस टीम ने जबाबी कार्रवाई में 16 राउंड फायर किए, जिसमें दोनो आरोपियों के पैरों में गोली लगी। घायल

आरोपियों को दबोचकर अस्पताल पहुंचाया गया। उनके कब्जे से तीन सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल 18 जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।मामला 2 अक्टूबर 2026 की तड़के करीब 3 बजकर 20 मिनट भजनपुरा थाना क्षेत्र

का है। पुलिस को गली नंबर-16, सुभाष विहार नॉर्थ घोंडा में फायरिंग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही भजनपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि करीब 2 बजकर 43 मिनट पर उसे गली में कुछ आवाज सुनाई दी। वह बालकनी में आया तो उसने स्कूटी पर सवार दो युवकों को देखा। दोनों के हाथों में पिस्टल थीं।आरोपियों ने उसकी तरफ और हवा में कई गोलियां चला दीं। गोलियां मकान की काच की रैलिंग और बाहरी दीवार से जा टकराईं। हालाँकि राहत की बात ये रही कि इस वारदात में किसी व्यक्ति को चोट नहीं लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल से

फोरेसिक साक्ष्य जुटाए गए और भजनपुरा थाने में भारतीय न्याय संहिता तथा आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।वारदात के बाद उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए स्पेशल स्टाफ को ज़िम्मेदारी सौंपी। ज़स्पेशल स्टाफ के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गईं। एसीपी ऑपरेशंस, उत्तर-पूर्वी जिला की निगरानी में टीमों ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र के जरिए आरोपियों की पहचान और उनके ठिकानों का पता लगाया गया।वर्ई

संभावित ठिकानों पर दबिश के बाद पुलिस टीम को 4 और 5 अक्टूबर की दरम्यानी रात आरोपियों की गतिविधि के बारे में पुख्ता सूचना मिली। इसके बाद नागरिक से थई पुरता रोड उस्मानपुर की ओर जाने वाली सड़क पर पुलिस ने घेराबंदी कर दी। करीब पौने तीन बजे पुलिस टीम ने बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो सट्टाध युवकों को देखा। टीम ने अपनी पहचान बताकर उन्हें रुकने और जांच कराने का इशारा किया।पुलिस के मुताबिक, रुकने के बजाय दोनो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।आरोपियों ने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर 12 राउंड गोलियां चलाईं।

संपादकीय

एसआईआर: लोकतंत्र की शचिता और विश्वास की कसौटी



अनीता यादव

यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटें हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई रण्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण हैं।



प्रमोद पंत
अहिंसा की राजनीति का एक कार्यकर्ता एक मुस्लिम बस्ती की रात से उठे से सवाल, जिनका जवाब सिर्फ चुनाव नहीं, संविधान, शिक्षा, रोजगार, प्रतिनिधित्व और नागरिक

भागीदारी में तलाशना होगा। एक रात में अपने एक मुस्लिम मित्र की बस्ती में रुका। रात गहराती गई, लेकिन बातचीत खत्म नहीं हुई। एक के बाद एक सवाल सामने आते रहे। हमारे साथ एक नागरिक की तरह व्यवहार क्यों नहीं किया जाता? क्या हमारी राजनीति सिर्फ चुनाव के समय याद किए जाने तक सीमित है? फिर खाने को लेकर सवाल आया- हूहम झटके की जगह हलाल खाना पसंद करते हैं, तो क्या यह सिर्फ धार्मिक पहचान है? और फिर मंदरसे पर सवाल उठा-क्या मंदरसे में सिर्फ धार्मिक शिक्षा होती है? क्या वहां गणित, विज्ञान, भाषा और आधुनिक शिक्षा की पर्याप्त जगह नहीं होनी चाहिए? सवाल बहुत थे। इन सवालों में राजगंजी भी थी, डर भी, पहचान भी और भविष्य की तलाश भी। लेकिन इन सबसे बड़ा सवाल था- क्या अल्पसंख्यक नागरिकों की राजनीति सिर्फ सुरक्षा और वोट तक सीमित रहेगी, यह वह शिक्षा, रोजगार, बजट, प्रतिनिधित्व और नीति-निर्माता की राजनीति बनेगी?यही सवाल आज सिर्फ मुस्लिम समाज का नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने भी है। प्रजा नहीं- संविधान के बराबर नागरिक भारत का संविधान नागरिक को किसी शासक की प्रजा नहीं मानता। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता का आधार देता है अनुच्छेद 15 धर्म आदि के आधार पर भेदभाव से सुरक्षा देता है। अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ा है। अनुच्छेद 29 सांस्कृतिक और भाषाई पहचान के संरक्षण का अधिकार देता है और अनुच्छेद 30 धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित और संचालित करने का अधिकार देता है।

इसकाअर्थसाफहै-अल्पसंख्यक होना किसी नागरिक को कमतर नागरिक नहीं बनाता। लेकिन नागरिकता सिर्फ अधिकार पाने का नाम भी नहीं है। नागरिकता का मतलब है- अधिकार जानना, कर्तव्य समझना, संस्थाओं से सवाल पूछना, बजट समझना, नीति पर चर्चा करना, और लोकतांत्रिक निर्णयों में भाग लेना। यही से हलप्रजाहू से हलनागरिकह बनने की यात्रा शुरू होती है। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन राजनीति सिर्फ सुरक्षा नहीं

अल्पसंख्यक राजनीति का एक बड़ा सवाल सुरक्षा रहा है। जहां किसी समुदाय में असुरक्षा की भावना पैदा होती है, वहां राजनीति स्वाभाविक रूप से सुरक्षा की ओर जाती है। लेकिन क्या राजनीति की मंजिल केवल सुरक्षा हो सकती है?

नहीं। सुरक्षा के साथ शिक्षा चाहिए। शिक्षा के साथ रोजगार चाहिए। रोजगार के साथ उद्यमिता चाहिए। उद्यमिता के साथ वित्तीय अवसर चाहिए।



इन सबके साथ राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिनिधित्व चाहिए। यह सवाल भावनात्मक है, लेकिन इनका जवाब भावनाओं से नहीं- तथ्यों और कानून से तलाशना चाहिए। अगर किसी नागरिक के साथ भेदभाव हुआ है तो सवाल होना चाहिए- कहां हुआ? किस संस्था में हुआ? किस नियम का उल्लंघन हुआ? शिकायत किस अधिकारी के पास जाएगी? उसका समाधान कैसे होगा? यानी शिकायत को केवल राजनीतिक भाषण न बनाया जाए। उसे दस्तावेज, शिकायत, कानूनी अधिकार और संस्थागत जवाबदेही में बदला जाए। यह नागरिक राजनीति है। हलाल बनाम झटकाबस्ती में उठे सवालों में भोजन भी था। हलाल या झटका-यह कई लोगों के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत पसंद का विषय है। लेकिन यहां एक जरूरी फर्क समझना होगा। बहस को धार्मिक पहचान बनाम दूसरी पहचान की लड़ाई बनाने के बजाय पूछा जा सकता है- क्या उपभोक्ता को अपने भोजन के बारे में सही जानकारी मिल रही है? क्या लेबलिंग पारदर्शी है? क्या खाद्य-सुरक्षा मानक सभी पर समान रूप से लागू होते हैं?

यही सवाल पहचान की राजनीति को उपभोक्ता अधिकार की प्रकृति एक जैसी नहीं है। विभिन्न मंदरसों पर पाठ्यक्रम और विषयों में एकरूपता नहीं है। कुछ में धार्मिक शिक्षा के साथ आधुनिक विषय भी पढ़ाए जाते हैं। समय-समय में मंदरसा शिक्षा में विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी जैसे विषयों को शामिल करने के लिए भी योजनाएं चलाई जाती हैं।

इसलिए सही सवाल यह नहीं है—

हमदरसा अच्छा है या खराब?हू

सवाल होना चाहिए—

हूहर बच्चे को ऐसी शिक्षा कैसे मिले जिससे वह अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान के साथ आधुनिक ज्ञान, विज्ञान, तकनीक, भाषा और रोजगार की दुनिया में भी बराबरी से आगे बढ़ सके?हू

यही बहस भविष्य की दिशा तय कर सकती है।

नेतृत्व सिर्फ बड़े नेताओं से नहीं बनता

किसी समुदाय की राजनीतिक ताकत केवल उसके बड़े नेताओं की संख्या से नहीं मापी जानी चाहिए। असल नेतृत्व तो तब बनता है जब— गांव में शिक्षित युवा पंचायत की बैठक में सवाल पूछता है। महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आर्थिक निर्णय लेती है। छात्र संविधान और अपने अधिकार समझता है।

व्यापारी उपभोक्ता और कर नियमों को समझता है।

युवा डिजिटल दुनिया में गलत सूचना को पहचानता है।

स्थानीय नागरिक नगर निकाय के बजट पर सवाल करता है।

और समाज अपने नेताओं से पूछता है—

आप हमारे लिए क्या मांग रहे है?हूऔरहूआप हमें किसके खिलाफ खड़ा कर रहे हैं?

हिंदू-मुस्लिम एकता: नारा नहीं, नागरिक साझेदारी

भारत की विविधता को राजनीति का संघर्ष बनाने के बजाय

लोकतांत्रिक साझेदारी में बदला जा सकता है।

अलग आस्था- समान नागरिकता।

अलग संस्कृति-समान सम्मान।

अलग विचार- समान लोकतांत्रिक अधिकार।

हिंदू-मुस्लिम एकता का अर्थ यह नहीं कि दोनों समुदाय अपनी पहचान छोड़ दें। इसका अर्थ है—

पहचान अपनी- संविधान साझा। आस्था अपनी- नागरिक अधिकार साझा। राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन

लोकतांत्रिक अधिकार समान रहें। आखिरी हम बनाया क्या चाहते हैं? उस रात बस्ती में बातचीत खत्म होने के बाद एक सवाल बार-बार मेरे मन को बैनन कर रह है। किसी भी समुदाय को हमेशा डर में जीने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

उस डर से बाहर निकलने का रास्ता केवल राजनीतिक भाषण नहीं है। उसका रास्ता है— संविधान को समझना। अपने

अधिकारों को जानना। शिक्षा को मजबूत करना। रोजगार पैदा करना। महिलाओं और युवाओं को नेतृत्व देना। पंचायत से नीति-निर्मा तक पहुंच बनाना। अल्पसंख्यक राजनीति की नई

राह किसी एक दल के साथ खड़े होने की राह नहीं है। यह नागरिक के रूप में खड़े होने की राह है। वोट दीजिए- लेकिन

सवाल भी पूछिए। अपनी पहचान पर गर्व कीजिए- लेकिन दूसरे की पहचान का सम्मान भी कीजिए। अपने अधिकार मांगिए-

लेकिन अपने कर्तव्य भी निभाइए। और सबसे महत्वपूर्ण-

खुद को किसी की हलप्रजाहू नहीं, भाकत के संविधान से

अहिंसा है जीवन का सौन्दर्य एवं सृष्टि का आधार

राम्मी देवेन्द्र ब्रह्मचारी



डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

यूपीआई पर चार्ज लगाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है और कोर्ट ने सरकार से उक्त चार्ज हटाने की वजह पूछी है। कोर्ट का फैसला जो भी हो, मोदी जी के 12 साल के शासन में राजस्व बढ़ाने की ऐसी कई अजीबोगरीब कोशिशों की गई हैं जिससे मध्यवर्ग का आम आदमी ही परेशान हुआ है। इसी सरकार ने देश में वर्ष 2016 में यूपीआई की शुरुआत की और इसका जोरदार प्रचार किया गया कि इस सुविधा से बैंकिंग सिस्टम पर दबाव कम होगा। शुरू में जनता कुछ आशंकित थी पर धीरे धीरे इसकी सुविधा से अत्यन्त हो गई और अक्क केशलेस लेनदेन में भारत दुनिया में सबसे ऊपर है। भारी दुनिया के लाभग्रा आधे केशलेस लेनदेन भारत में होते हैं। अब अचानक सरकार इस सुविधा पर अक्स लगाकर एक अनैतिक परम्परा की शुरुआत कर रही है।

अक्टूबर से बैंकों द्वारा पहले की तुलना में मुफ्त एटीएम निकासी की संख्या भी कम कर दी गई है। जब एटीएम शुरू हुए थे तब यह कहा गया था कि एटीएम उपयोग को प्रोत्साहन देने का कारण यह है कि इससे बैंकिंग सिस्टम पर दबाव कम होता है लेकिन आज धीरे धीरे इसे भी पैसा उग्राही का जरिया बनाया जा रहा है। रिटायर होने वाले नागरिक आम तौर पर फिक्स डिपॉजिट में निवेश करते हैं ताकि उनका पैसा सुरक्षित रहे और ब्याज से आय से खर्च भी चलता रहे। पहले ओल्ड रेजीम में आम लोगों को 10000 रु तक तथा सीनियर सिटीजन को 50000 रु तक का ब्याज कर मुक्त किया गया था लेकिन नई रेजीम में किसी भी तरह के ब्याज पर टैक्स झट्ट समायन कर दी गई है। यह व्यवस्था सीनियर सिटीजन के लिये बहुत कष्टदायक है क्योंकि अधिकांश अपनी जाना पूंजी पर मिलने वाले ब्याज पर ही गुजारा करते हैं। देश की एकमात्र टैक्स

आज दुनिया विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति के जिस दौर में पहुंची है, उसी के समानांतर हिंसा, आतंकवाद, युद्ध, तनाव, असहिष्णुता और प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्तियां भी बढ़ी हैं। मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाने की कोशिश में स्वयं अपने भीतर अशांति पैदा कर ली है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास है, समताओं में वैचारिक टकराव है, परिवारों में तनाव है और व्यक्तिगत जीवन में भी क्रोध, प्रतिशोध एवं प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में अहिंसा केवल एक नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि संतुलित जीवन और शांतिपूर्ण विश्व-व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस इसी आवश्यकता की वैश्विक स्वीकृति है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया था। प्रस्ताव में अहिंसा की सार्वभौमिक प्रासंगिकता तथा शांति, सहिष्णुता, समझ और अहिंसा को संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

अहिंसा जीवन का सौंदर्य है। यह केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाने का नाम नहीं है। अहिंसा मन, वचन और कर्म की निर्मलता है। किसी के प्रति घृणा न रखना, अपमानजनक भाषा से बचना, विचारों में कटुता न पालना और अपने व्यवहार से दूसरे के

समत्त त्रैन

भारतीय शेर बाजार इन दिनों अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। शेर बाजार के निवेशकों को 8 सप्ताह के अंदर लाभभा 45 लाख करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। यह कोई छोटा-मोटा नुकसान नहीं है। दिसंबर 2025 में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का कारोबार 86159 के सूचकांक पर हो रहा था। 1 अक्टूबर 2026 को यह गिरकर 71328 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह में 26373 पर कारोबार कर रहा था। जो अब घटकर 22337 पर आ गया है। शेर बाजार में लगातार उथल-पुथल मचो हुई है। पिछले 8 सप्ताह में जिस तरह से शेर बाजार में निकासी का दौर शुरू हो गया है। विदेशी निवेशक शेर बाजार छोड़कर भाग रहे हैं। रिजर्व बैंक और सेबी को जो नई नीतियां बनी हैं, उसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। भारतीय शेर बाजार को सड़े

माहौल बन गया था। उस समय हर्षद मेहता ने एक करोड़ रुपए की रिश्तत तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहवर को देने की पेशकश की थी। इस पर बड़ा बवाल मचा था। 1992 के शेर बाजार के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को संभलने में कई वर्ष लगे। 2014 के बाद से जिस तरह से सेबी और रिजर्व बैंक समय-समय पर जो नियम कानून बना रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा आर्थिक मामलों को जो निर्णय लिए जा रहे हैं। उसके बारे में अब कहा जा रहा है, शेर बाजार और भारतीय कंपनियों के माध्यम से लाखों करोड़ रुपए के घोटाले पिछले 12 वर्षों में हुए हैं। शेर बाजार से सारा पैसा मुनाफाखोरी और घोटालेबाजी के कारण निरस्त चुका रहे हैं। यह पैसा भारतीय शेर बाजार से निकलकर विदेशों में निवेश हो गया है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कंपनियों में भारी निवेश किया है। शेर बाजार के माध्यम से भारी आर्थिक गड़बड़ियां की गई हैं। पिछले दो वर्षों में जिस तरह

के हालात शेर बाजार के बने हुए हैं। उसने शेर बाजार की आंतरिक स्थिति को और भी खराब कर दिया है। विशेष रूप से ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। डालर के मुकाबले रुपया को कीमत तेजी के साथ कम हुई है। राजकोषीय घाटा बढ़ता ही जा रहा है। आयात और निर्यात के बीच का अंतर भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। पिछले दो सप्ताह में शेर बाजार से लाभभा 45 लाख करोड़ रुपया निवेशकों का नुकसान के रूप में सामने आया है। ऐसी स्थिति में आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, भारत की अर्थव्यवस्था स्वतंत्रता के बाद से सबसे खराब दौर में पहुंच गई है। यदि मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में 70000 सूचकांक से कम में कारोबार करेगा, ऐसी स्थिति में बाजार को संभाल पाना बहुत मुश्किल होगा। भारत के कई बैंक भारतीय जीवन बीमा और अन्य वित्तीय संस्थाएं भारी संकट के दौर में आ सकती हैं। आर्थिक विशेषज्ञ

यहां तक आशंका व्यक्त करने लगे हैं, 2008 में जिस तरह से लेहमन ब्रदर्स के कारण अमेरिका में आर्थिक मंदी आई थी। सैकड़ों बैंक दिवालिया हो गए थे, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह के हालात भारत में भी दिखने लगे हैं। पिछले एक दशक में भारत के कारोबारियों ने बैंकों और राजनेताओं से मिलकर जिस तरह से लावों करोड़ रुपयों के घोटाले शेर बाजार और बैंकों के जरिए किए हैं। अब वह घोटाले एक-एक करके खुलने लगे हैं। जिसके कारण भारतीय शेर बाजार को लेकर अब दुनिया भर के निवेशक यहां से अपनी रकम निकाल कर भाग रहे हैं। देशी निवेशकों को पिछले 2 साल से शेर बाजार से रिटर्न नहीं मिल रहा है, उल्टा नुकसान होने लगा है। ऐसी स्थिति में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अब यह कहा जाने लगा है, लोग नहीं समझ पा रहे हैं, कि उन्हें कहां निवेश करना चाहिए। बैंक भी सुरक्षित नहीं हैं। सोने, चांदी की कीमतों में भी

अस्थिरता मचो हुई है। आर्थिक मंदी की संभावनाओं को देखते हुए भारतीय निवेशक को यह समझ नहीं आ रहा है, वह अपना निवेश करें, तो कहां करें? सरकार ने तरह-तरह के नियम कानून बनाकर लोगों को जो निवेश के संबंध में आर्थिक आजादी थी, उसे भी कई तरीके से बांधित कर दिया है। सरकार ने पिछले एक दशक में टैक्स और शुल्क कई मात्रा में लगाये हैं। लोगों को कज्जे लेकर खर्च चलाता पड़ रहा है। एक्पीए बढ़ता ही जा रहा है। बैंकों की बेवैशशील को दिखानेटी माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भविष्य क्या होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। इस तरह की स्थिति इसके पहले कभी नहीं बनी थी, जो अब बन गई है। राजनीति भी अस्थिर दौर से गुजर रही है। हर जगह घबराहट का माहौल बना हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञ यह मानकर चल रहे हैं, भारतीय अर्थ व्यवस्था पिछले 75 वर्षों में सबसे खराब स्थिति में पहुंच गई है।

भारतीय मुसलमानों का देश की आजादी में योगदान

हिंदू-मुस्लिम एकता केवल भाषण का विषय नहीं था, वह देश की आजादी की वास्तविक राजनीतिक शक्ति भी रह है। हमें यह भी याद रखना जरूरी है कि भारतीय मुसलमानों का इतिहास केवल विभाजन या मुस्लिम लीग के इतिहास तक सीमित नहीं है। मौलाना अबुल कलाम आजाद, खान अब्दुल गफ्फार खान, अशफाकउल्ला खान, मौलाना उबैदुल्लाह सिंधी, हकीम अजमल खान, डॉ. मुख्तार अहमद अंसारी, बदरुद्दीन तेयबजी, राफी अहमद क़िदवाई और अनेक अन्य व्यक्तियों का योगदान अलग-अलग धाराओं में रहा है। भारत सरकार के अलिखेय भी देश की आजादी के संघर्ष में अनेक मुस्लिम नेताओं के योगदान और हिंदू-मुस्लिम साझी भागीदारी को दर्ज करते हैं। इस इतिहास का संदेश स्पष्ट है- भारतीय मुसलमान भारत के इतिहास के दर्शक नहीं थे, वे उसके निर्माता भी रहे हैं। मौलाना आजाद: धर्म की पहचान और भारतीय राष्ट्रवाद साथ-साथमौलाना अबुल कलाम आजाद एक इस्लामी विद्वान, उर्दू प्रकाश, स्वतंत्रता सेनानी और स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा बने। वह हिंदू-मुस्लिम एकता और अविभाजित भारत के प्रमुख समर्थकों में एक थे। खान अब्दुल गफ्फार खान: अहिंसा की सबसे बड़ी मिसालों में एक

खान अब्दुल गफ्फार खान ने पश्तून समाज में खुदाई खिदमतगार आंदोलन के माध्यम से अहिंसक संघर्ष का रास्ता उपनाया। उनका जीवन गांधी के अहिंसक आंदोलन के साथ मुस्लिम समाज की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कड़ी है। अशफाकउल्ला खान: देश के लिए बलिदान उनका जीवन यह दिखाता है कि स्वतंत्रता आंदोलन में मुस्लिम युवाओं की भागीदारी केवल एक राजनीतिक धारा तक सीमित नहीं थी। रास्ते अलग थे, लेकिन औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता की आकांक्षा साझा थी।

अधिकार प्राप्त बराबर का नागरिक समझिए।

व्योक्ति यही डर से अधिकार तक की यात्रा है। यही प्रजा से नागरिक तक का सफर है। अब राजनीति को इस फाँसील से पढ़ने की जरूरत हैहूहूहू

पहचान + संविधान।

सुरक्षा + अवसर

शिक्षा + रोजगार

प्रतिनिधित्व + नेतृत्व

वोट + जवाबदेही

अधिकार + कर्तव्य

स्थानीय भागीदारी + राष्ट्रीय नीति

यही राजनीति को केवल चुनावी गणित से निकालकर नागरिक शक्ति में बदल सकती है।

संक्षिप्त

समाचार

बृथ कमेटीयां जल्द गठित करने के निर्देश

कानपुर एजेंसी। ब्रह्मा की रविवार को हुई मिला स्वरीय संगठन समीक्षा बैठक में कानपुर मंडल के मुख्य प्रमारी जितेंद्र शंखवार ने सेक्टर एवं बृथ कमेटीयों के गठन का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। पार्टी का जनाधार बढ़ाने पर जोर दिया। नवीन मार्केट स्थित मंडल कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि जितेंद्र संखवार ने आगामी नौ अक्टूबर को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ स्थित काशीराम स्मारक स्थल पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित करने के निर्देश दिए। बैठक में मंडल प्रमारी राम शंकर कुशील, संजय गौतम, जीवन लाल भारती, कुंवर सिंह हारा, सुनील भारती, मिलाध्यक्ष कुलदीप कुमार सहित जिला, विधानसभा क्षेत्र प्रदाधिकारी, सेक्टर और बृथ प्रदाधिकारी शामिल रहे।

राष्ट्रभक्ति केवल नारों तक न रहे सीमित

कानपुर एजेंसी। एसजीएम इंटरनेशनल स्कूल में भारत विकास परिषद रामकृष्ण शाखा की ओर से राष्ट्रीय सगृह गान प्रतियोगिता हुई। यहां छात्रों ने देशभक्ति गीतों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।मुख्य अतिथि एमएलसी अरुण पाठक ने कहा कि संस्कारवान, शिष्टि और राष्ट्र के प्रति समर्पित युवा ही सशक्त एवं विकसित भारत की नींव हैं। राष्ट्रभक्ति केवल नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विचारों और कर्मों में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने भारत विकास परिषद की पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से यह की एकता और अखंडता मजबूत करने का आह्वान किया। ज्ञानेंद्र सिंह मौलान, अजय मेहरोत्रा, अजीत अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हर घर इंज्ञा और नेम प्लेट अभियान से मजबूत होगा संगठन

वाराणसी एजेंसी। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अग्रस्थ केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल के निर्देश हर घर इंज्ञा और नेमप्लेट अभियान रविवार को पिंडरा में चलाया गया। गंगापुर, बैकुंथपुर व घोषरी में जिला अग्रस्थ व्यापार मंडल मंगला प्रसाद पटेल सहित पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के आवास पर पार्टी का इंज्ञा एवं नेमप्लेट लगाई गई। इस अवसर पर रोहिलिया के विधायक डॉ. सुनील पटेल ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन में पहचान देना तथा जन-जन तक पार्टी की विचारधारा को मजबूत करना है। कार्यक्रम में विधानसभा अग्रस्थ राज्येश कुमार वर्मा, राजकुमार राव, विकास पटेल, राहुल प्रदेव आदि मौजूद रहे।

मॉडल यूनाइटेड नेशंस में दिखाई नेतृत्व क्षमता

कानपुर एजेंसी। दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर में आयोजित दो दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) का रविवार को समापन हुआ। विभिन्न विद्यालयों के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर नेतृत्व, योग, कूटनीति और वैचारिक कौशल का प्रदर्शन किया। मानवाधिकार परिषद, सुरक्षा परिषद, महिलाओं की स्थिति, पर्यावरण, अंतरराष्ट्रीय मामलों, आर्थिक एवं वित्तीय मामलों, अखिल भारतीय राजनीतिक दल सम्मेलन, भारतीय पुलिस सेवा आदि पर चर्चा की। मुख्य अतिथि विद्यालय के संस्थापक आलोक मिश्रा रहे। विद्यालय की ओर से कुल 1.53 लाख की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वाधिक विद्यालयीय प्रतिनिधिमंडल का पुरस्कार डीपीएस वर्ध, सर्वोच्च प्रतिनिधिमंडल का पुरस्कार सर प्रदमपत सिंघनिया एजुकेशन सेंटर को मिला।

विद्यार्थियों ने रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता का किया प्रदर्शन

गोरखपुर एजेंसी। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय छत्र उत्सव ‘आगमन-26’ का रविवार को समापन हो गया। इस उत्सव में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। छात्रों ने समस्या समाधान क्षमता भी दिखाई। दिन की शुरुआत सुबह सात बजे ‘शर्लक होम्स’ टैगर हंट से हुई। इसमें 100 से अधिक लड़कों ने हिस्सा लिया, जिनमें सात लड़कों ने अंतिम चरण में जगह बनाई। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की टीमवर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता को परखा। ‘रेडरूले एक्स’ के दूसरे चरण में व्यक्तिगत साक्षात्कार और स्टैंटअप पिव का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने अपने नवाचार और व्यावसायिक विचार प्रस्तुत किए। द सोशल इजीनियर्स बोर्ड के संकाय प्रमारी डॉ. रोहित बाबू ने अच्छे विचारों को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। ‘आर्टिजन’ में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने सामाजिक विषयों पर कलाकृतियां बनाईं। ‘ब्रेनगेनरी’ किंग ने छात्रों को प्रतियोगी प्रीतीक्षाओं के एंटीट्यूड साइड का अनुभव दिया।

दूसरे चरण की तैयारियों पर 16 को लखनऊ में होगी कार्यशाला

गोरखपुर एजेंसी। जनगणना-2027 के दूसरे चरण में होने वाली जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर प्रदेश स्तर पर कायदा रत हो गई है। इसके लिए 16 अक्टूबर को लखनऊ में नगर निगमों के अपर नगर आयुक्त (जनगणना) और नगर जनगणना अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें प्रणाल्य और सुपरवाइजर के प्रशिक्षण, कार्मिकों की उपलब्धता व नियुक्ति तथा निगरिफिड समय-सीमा के जनगणना कार्य पूरा करने की कार्ययोजना पर विस्तृत प्रशिक्षण और समीक्षा की जाएगी।जनगणना कार्य निदेशालय, सेक्टर-जी अलीगंज लखनऊ के समानांतर में 16 अक्टूबर की सुबह 10 बजे से शान पांव बजे तक कार्यशाला होगी। गोरखपुर नगर निगम समेत सभी नगर निगमों से नगर जनगणना अधिकारी और अपर नगर आयुक्त (जनगणना) इसमें प्रतिभाग करेंगे। कार्यशाला में जनसंख्या गणना के दौरान अधिकारियों और फील्ड कार्मिकों की भूमिका एवं निगमोटारियों पर चर्चा होगी। साथ ही प्रणाल्य और सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण की रूपरेखा, आवश्यक कार्मिकों की उपलब्धता और नियुक्ति तथा आकड़ों के संकलन सहित अन्य कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने की रणनीति पर समीक्षा की जाएगी।

छह महीने से टूटी पुलिया, लकड़ी के तख्तों पर जिंदगी का सफर; लोग उठा रहे जान का जोखिम

गाजियाबाद , एजेंसी। शहीद नगर में छह महीने पहले नाले पर बनी पुलिया टूटी, लेकिन जिम्मेदारों ने इसकी सुध अब तक नहीं ली। इस बीच लोगों ने नाले पर लकड़ी के तख्ते रखकर आवाजाही का रास्ता तो बना लिया, लेकिन यह रास्ता सुविधा से ज्यादा मजबूरी और खतरे का प्रतीक बन गया है। संकरे तख्तों पर रोज स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को जान जोखिम में डालकर नाला पार करना पड़ रहा है। जरा-सा संतुलन बिगड़ते तो सीधे नाले में गिरने का खतरा है।

लंबे समय से यह परेशानी झेल रहे लोगों का रविवार को गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की और जल्द से जल्द पुलिया का निर्माण शुरू कराने की मांग की। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी व्यवस्था ने उनकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया।

पांच महीने से शिकायत, अब तक नहीं बनी पुलिया : स्थानीय निवासी इंद्रजीत पाल ने बताया कि पुलिया निर्माण को लेकर करीब पांच महीने से नगर निगम में लगातार शिकायत की जा रही है। अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को समस्या से अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नगर निगम, अवर अभियंता और ठेकेदार

74 रुपये का इंजेक्शन बिक रहा है 4980 में, जांच में खुलासा

लखनऊ , एजेंसी। अस्पतालों में दवाओं की ऊंची कीमतें मरीजों की जेब पर डका डाल रही हैं। मेडिकल कॉलेजों और निजी अस्पतालों की 214 फार्मसियों की जांच में 36 दवाओं की एमआरपी खरीद कीमत से 10 गुना से भी अधिक मिली। कुछ दवाओं में तो 67 गुना तक का अंतर है। बैक्टिरियल संक्रमण में इस्तेमाल होने वाले पॉलीमाइक्सिन-बी इंजेक्शन की खरीद 74.09 रुपये और एमआरपी 4980.94 रुपये मिली। यह खुलासा उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की जांच में हुआ है। एफएसडीए की ओर से फार्मसी से जुटाए गए आंकड़ों में 130

दवाओं का विश्लेषण किया गया। इसमें उपलब्ध दवाओं की खरीद दर और पैक पर अंकित अधिकतम खुरदरा मूल्य (एमआरपी) में बड़ा अंतर मिला है। इनमें गंभीर संक्रमण, आईसीयू और अन्य जटिल चिकित्सकीय स्थितियों में इस्तेमाल होने वाली कई इंजेक्टेबल दवाएं भी शामिल हैं। लिवर की गंभीर बीमारी में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन की खरीद कीमत 56 रुपये मिली, जबकि एमआरपी 3050 रुपये पाई गई। गंभीर बैक्टिरियल संक्रमणों के लिए मेरोपेनम 1 ग्राम के विभिन्न उत्पाद नामों में खरीद कीमत और एमआरपी का अनुपात भी एक जैसा नहीं मिला। इसमें एमआरपी खरीद



कीमत के मुकाबले करीब 5.31 गुना से 9.98 गुना तक दर्ज की गई। फंगल संक्रमण के लिए कास्पोगिन 70 एमजी के एक उत्पाद की खरीद 800 रुपये थी, जबकि एमआरपी

21,230 रुपये। यह खरीद कीमत से करीब 26.5 गुना अधिक है। इसी दवा के दूसरे उत्पाद नाम की खरीद 897.75 रुपये और एमआरपी 19,892 रुपये है। कैसर और

जीवनरक्षक दवाओं में कीमत में भी काफी अंतर मिला है। **उपकरणों की कीमत में भी भारी अंतर :** दवाओं के अलावा मेडिकल उपकरणों के मूल्य में भी बड़ा अंतर मिला। एक 3-तरफा स्टॉप कॉक की खरीद कीमत 6.40 रुपये थी, जबकि एमआरपी 163 रुपये पाई गई। यह खरीद कीमत के मुकाबले करीब 25 गुना अधिक है। एक अन्य मेडिकल उपकरण की खरीद कीमत 20.95 रुपये के मुकाबले एमआरपी 500 रुपये मिली। यह अंतर करीब 24 गुना रहा। विभागीय विश्लेषण में ऊंचे व्यापार लाभ और छूट की गुंजाइश बनाए रखने के लिए एमआरपी ऊंची रखने की आशंका जताई गई है।

लगातार बढ़ रही हैं दवा की कीमतें : निजी अस्पतालों में भी मोनोपॉली दवाओं के जरिए मरीजों की जेब पर डका डाला जा रहा है। फार्मसी में ऐसी मोनोपॉली दवाएं रखी जाती हैं, जो खुले बाजार में उपलब्ध नहीं होतीं। ऐसे में मरीजों को अस्पताल की फार्मसी से ही दवा खरीदनी पड़ती है। इसका फायदा उठाकर इन दवाओं पर अपेक्षाकृत अधिक एमआरपी रखी जाती है। दवा की उपलब्धता सीमित होने पर मरीज और तीमारदार उसके वास्तविक बाजार मूल्य की तुलना भी नहीं कर पाते। मरीजों को मजबूरी में इन्हें खरीदना पड़ता है, जिससे बिल काफी बढ़ जाता है।

प्रतिभागी घटे और पदक भी, एशियाई खेल यूपी के लिहाज से फीके साबित हुए

लखनऊ, एजेंसी। झंगझोऊ (चीन) एशियाई खेलों की तुलना में आइची- नागोया (जापान) एशियाई खेल यूपी के लिहाज से फीके साबित हुए। झंगझोऊ में जहां यूपी के 39 खिलाड़ियों ने भाग लेकर सात स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक अपने नाम किए थे, वहीं जाइची-नागोया में भाग लेने वाले करीब 30 खिलाड़ियों के खते में पांच स्वर्ण, तीन रजत और आठ कांस्य पदक आए। कुल मिलाकर प्रतिभागियों की संख्या घटने के साथ ही पदकों की संख्या भी घट गई है।



सहारनपुर)। रजत- गुलवीर सिंह (एथलेटिक्स 10000 मीटर और 1500 मीटर - अलीगढ़), जयकुमार (एथलेटिक्स चार गुने 400 मीटर मिक्स रिले- गौतमबुद्धनगर)। कांस्य- गुलवीर सिंह (एथलेटिक्स 5000 मीटर- अलीगढ़), मेराज अहमद खान (निशानेबाजी स्कीट टीम इवेंट- बुलंदशहर), सलमान खान (रोइंग डबल स्कल- अमेठी), प्राची चौधरी (एथलेटिक्स 400 मीटर-

खेलों में प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, लेकिन यूपी सरकार की ओर से इन खेलों में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को जारी शासनादेश के अनुसार सम्मानित करेगी। इसके अंतर्गत राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता को क्रमशः डेढ़ करोड़, 75 लाख और 50 लाख रुपये दिए जाएंगे, जबकि एशियाई खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः तीन, डेढ़ और 75 लाख रुपये दिए जाएंगे।

इसके अलावा पदक विजेता खिलाड़ियों शासनादेश के अनुसार राजपत्रित अधिकारी भी बनाया जाएगा। खेलों में प्रतिभाग करने वाले यूपी के सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप पांच-पांच लाख रुपये दिए जाएंगे।

एशियाई खेलों के पदक विजेता खिलाड़ी : स्वर्ण- राजकुमार पाल (हॉकी टीम वर्ग- गाजीपुर), दीपि शर्मा (क्रिकेट टीम वर्ग- आगरा), विप्रज निगम (क्रिकेट टीम वर्ग- बाराबंकी), अर्जुन देशवाल (कबड्डी टीम वर्ग- मुजफ्फरनगर), प्राची चौधरी (एथलेटिक्स चार गुने 400 मीटर रिले-

सहारनपुर), पारुल चौधरी (एथलेटिक्स 3000 मीटर स्टीपल चेज और 15000 मीटर- मेरठ), रोहित यादव (एथलेटिक्स जैवलिन श्रो- जौनपुर), जय कुमार (एथलेटिक्स चार गुने 400 मीटर रिले- गौतमबुद्धनगर)।

राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता : स्वर्ण- अस्मिता डे (जूडो 48 किग्रा- मुरादाबाद), गुलवीर सिंह (एथलेटिक्स 10000 मीटर- अलीगढ़), गुलवीर सिंह (एथलेटिक्स 5000 मीटर- अलीगढ़)।

खेल निदेशक आरपी सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश खेलों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। भारत के कुल जीते पदकों में यूपी का पांचवां हिस्सा है। उम्मीद है कि आने वाले समय में पदक संख्या में और इजाफा होगा। हमारी योजना है कि राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को एक साथ सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा गया है। जल्द से जल्द खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित कर संवार रही जेन जी पीढ़ी

बरेली, एजेंसी। जेन जी पीढ़ी केवल सोशल मीडिया, प्रदर्शन और पढ़ाई तक सीमित नहीं है। वह सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित कर संवार रही है। शहर में होने वाले रामलीला में किरदार निभाने के लिए इस पीढ़ी के लोग मेहनत से पूर्वाभ्यास कर रहे हैं। परिजन का समर्थन इसमें अहम योगदान दे रहा है। नेपाल में हुए प्रदर्शन के बाद जेन जी शब्द चर्चा में आया। लोगों ने धारणा बनाई कि यह पीढ़ी सांस्कृतिक चेतना से अलग है। विभिन्न शहरों के 18 से 24 साल के युवा आधुनिक जीवनशैली और शिक्षा के साथ धार्मिक किरदारों की भूमिका निभाकर यह ख़ूब भी तोड़ रहे हैं। बरेली के राजेंद्र नगर में उत्तराखंड

सांस्कृतिक समाज की ओर से आयोजित होने वाली रामलीला में जेन जी पीढ़ी ही अधिकतर किरदारों की भूमिका में नजर आ रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का किरदार प्रज्ञा कांडपाल निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि वह दिन में कॉलेज में पढ़ाई करने के बाद पूर्वाभ्यास के लिए स्थल पर पहुंचती हैं। रामलीला में मंचन के लिए परिवार ने कभी नहीं रोका, बल्कि हमेशा प्रोत्साहित किया। इसी तरह आराध्य माधव रामलीला में लक्ष्मण का किरदार निभाने के लिए जान फूंक रही हैं। वह भी स्नातक की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि एक माह से कॉलेज से लौटने के बाद रोजाना शाम को अभ्यास का समय निकालती हैं।

विशेष बच्चों को हुनर का पाठ पढ़ाकर बना रहें आत्मनिर्भर

बरेली, एजेंसी। शिक्षिकाएं जिले के विशेष बच्चों को कॅरिअर के साथ जीवन में भी आगे बढ़ने का गुरुमंत्र दे रही हैं। इनमें कई शिक्षिकाएं ऐसी भी हैं, जिन्होंने इन बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने दो-तीन दशक समर्पित कर दिए हैं। ये न केवल नौकरी कर रही हैं, बल्कि सही मायनों में समग्र शिक्षा की परिभाषा को जीवांत कर रही हैं। **साढ़े तीन दशक किए समर्पित :** भुवनेश्वर की मूल निवासी शक्ती नंदा बरेली में 34 वर्षों से विशेष बच्चों के लिए कार्य कर रही हैं। वह बताती हैं कि शुरुआत में दो कमरों का स्कूल खोला, विशेष शिक्षकों को ट्रेनिंग दी। बच्चों के लिए मेडिकल सपोर्ट की जरूरत



महसूस हुई तो प्रशासन का साथ मिला। सहायता के लिए संस्थाएं आगे आने लगीं। शुरुआत केवल छह बच्चों से हुई, वर्तमान में 190 से अधिक विद्यार्थियों को हुनरमंद बना रही हैं।

शुरुआत में लगता था डर : 16 वर्षों से विशेष बच्चों के लिए कार्य रही राखी सागर बताती हैं कि शुरुआत में वह डरती थीं, फिर विशेष बच्चों के साथ आनंद आने लगा। उनके

पढ़ाए तीन विद्यार्थी सामान्य विद्यालय में शिक्षा ले रहे हैं। एक विशेष विद्यार्थी अब अपने दूसरे साथियों को सीखने में सहायता करने लगा है। राखी का मानना है कि शिक्षक की जीत तभी होती है जब उसका विद्यार्थी आत्मनिर्भर होकर समाज में चलने लगे।

विशेष बच्चों को प्रेम की जरूरत : सुभाषनगर की प्रज्ञा सक्सेना 20 साल से विशेष बच्चों को पढ़ाने के साथ ही विभिन्न गतिविधियां सिखा रही हैं। उनका कहना है कि ये बच्चे अपने दैनिक कार्य करने में जूझते हैं। इन्हें अनुशासन से अधिक प्रेम देना होता है। इससे बच्चे हमारे आस-पास सुरक्षित महसूस करने लगते हैं। शुरुआत में विशेष बच्चों के साथ काम करना मुश्किल लगता था। अब उनकी जटिलताओं को आसान करने का अनुभव हो गया है।



के खिलाफ नारेबाजी की। कुछ लोगों ने ठेकेदार पर काम में देरी करने का आरोप भी लगाया। भाजपा नेता गुरदास पाल ने कहा कि पुलिया टूटने के बाद से क्षेत्र का आवागमन प्रभावित है। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए जल्द स्थायी रास्ता तैयार कराया जाना चाहिए।

नाला पार करते समय गिर चुके तीन लोग : प्रदर्शनकारी फिरोज खान ने बताया कि नाला पार करते समय बीते दिनों एक बच्चा, एक महिला और एक व्यक्ति गिर चुके हैं। उनके अनुसार यह पुलिया दिल्ली जाने का सबसे छोटा रास्ता है। पुलिया नहीं होने के कारण सीमापुरी डिपो तक पहुंचने में लोगों को करीब 15 मिनट का अतिरिक्त समय लग रहा है। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय लोगों और राहगीर वाहन चालकों समेत 20 हजार से अधिक लोग इससे प्रभावित हैं।

वाहन चालक लगा रहे तीन किमी का चक्कर : स्थानीय निवासी हार्फिज मूसा ने बताया कि रास्ते से रोजाना एक हजार से अधिक लोगों का पैदल आवागमन होता है। पुलिया बंद होने के कारण वाहन चालकों को दूसरी ओर जाने के लिए दो से तीन किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। लोगों का आरोप है कि नाले की पुलिया तोड़ने के बाद ठेकेदार ने अन्य स्थानों पर काम शुरू कर दिया। पुलिया निर्माण के लिए पैड़

बांधने वाला कर्मचारी नहीं मिलने का हवाला देकर भी काम टाला जाता रहा।

खुले में रखा ट्रांसफार्मर भी बना खतरा

स्थानीय लोगों ने खुले में रखे ट्रांसफार्मर को लेकर भी विरोध जताया। प्रदर्शनकारी गुड्ड ने बताया कि कुछ दिन पहले फॉल्ट होने के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई थी। इससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। उनके अनुसार ट्रांसफार्मर को दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए करीब एक माह पहले स्लिप तैयार करने का काम पूरा हो गया था, लेकिन अब तक इसे स्थानांतरित नहीं किया गया।

अधिकारी बोले

ठेकेदार की लापरवाही के चलते काम में देरी हुई है। ठेकेदार को काम जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। **-एनके चौधरी,** मुख्य अभियंता, निर्माण विभाग टीम को भेजकर सर्वे कराया जाएगा। समस्या होने पर जल्द से जल्द समाधान कराया जाएगा।

-बुजेश कुमार, मुख्य अभियंता, ऊर्जा निगम जोन तीन

मुस्लिम चौहान को मिली बड़ी जिम्मेदारी, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के हरियाणा राज्य सचिव बने



सुरेन्द्र भट्टी पांचाल नजर घरीं डा: कांग्रेस के पुराने एवं सक्रिय कार्यकर्ता मुस्लिम चौहान, निवासी गढ़ी भरल, करनाल, को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, हरियाणा का राज्य सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी

नियुक्ति को संगठन में उनकी लंबे समय से सक्रिय भूमिका और जमीनी स्तर पर कांग्रेस से जुड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। मुस्लिम चौहान लंबे समय से कांग्रेस संगठन के साथ जुड़े हुए हैं और क्षेत्र में सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने कहा कि वह पार्टी नेतृत्व के विरवास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे तथा पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने और संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और गांवों को मजबूत किए बिना मजबूत लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती। संगठन की विचारधारा और कांग्रेस की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। मुस्लिम चौहान की नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और समर्थकों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके अनुभव और सक्रियता से हरियाणा में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी।

सेवा संकल्प अभियान: कहानी बदलाव की

► ‘प्रधानमंत्री मातृ वंदना’ और ‘आपकी बेटी, हमारी बेटी’ योजनाओं से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के तहत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं और बेटियों तक पहुंचाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता के साथ-साथ मातृ स्वास्थ्य और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। कुशपुरा निवासी मंगता ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र की सहायता से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएनवीवाई) के तहत आवेदन किया था। योजना के अंतर्गत उन्हें सरकारी की ओर से 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि इस आर्थिक सहायता से उन्हें गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार लेने में काफी मदद मिली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को उपयोगी बताते हुए पात्र महिलाओं से इसका लाभ लेने का आह्वान किया। इसी प्रकार कुशपुरा निवासी सरिता ने बताया कि उन्होंने अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र की सहायता से ‘आपकी बेटी, हमारी बेटी’ योजना के तहत आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि योजना के तहत उनकी बेटी के 18 वर्षों का आयु पूरी करने पर उन्हें एक लाख रुपये की राशि का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह राशि उनकी बेटी की शिक्षा तथा भविष्य की आवश्यकताओं में सहायक होगी। सरिता ने योजना को बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने वाली महत्वपूर्ण पहल बताते हुए पात्र परिवारों से इसका लाभ उठाने की अपील की। जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पात्र महिलाओं और बेटियों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के साथ बेटियों के बेहतर भविष्य का निर्माण किया जा सके।

सेवा संकल्प अभियान’ गांव बोलनी में सेवा सेतु कैंप में ग्रामीणों को दी योजनाओं की जानकारी

► जिला में आयोजित किए जा रहे सेवा सेतु कैंपों के माध्यम से पात्र परिवारों को किया जा रहा लाभान्वित

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को डीसी अभिषेक मीणा के नेतृत्व में गांव बोलनी में सेवा सेतु कैंप का आयोजन कर पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सेवा सेतु शिविर में पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया, दस्तावेज और संबंधित विभागीय सेवाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई। सोमवार को गांव कमालपुर में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू बाला ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक नागरिक को ‘विकसित भारत-2047’ के सामूहिक संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जिला प्रशासन द्वारा सेवा सेतु कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से सेवा सेतु कैंपों को नागरिक सुविधा का महत्वपूर्ण माध्यम बनाया जा रहा है। इन कैंपों के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है कि लोगों को सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित जानकारी के लिए दूर स्थित कार्यालयों में जाने की आवश्यकता कम हो तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर आवश्यक मार्गदर्शन मिल सके। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत सरकार का उद्देश्य योजनाओं एवं सेवाओं की पहुंच को अधिक सुगम बनाना तथा पात्र नागरिकों को उनके अधिकार एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे सेवा सेतु कैंपों में पहुंचकर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार उपलब्ध सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा के नेतृत्व में नगर परिषद की वार्ड 16 की पार्षद गुरप्रीत कौर भाजपा में शामिल

भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर जुड़ रहे हैं लोग : सुभाष सुधा।

कुरुक्षेत्र, प्रमोद कौशिक/अमित : कुरुक्षेत्र नगर परिषद की राजनीति में आज भाजपा को बड़ी मजबूती मिली है। वार्ड नंबर 16 की मौजूदा पार्षद गुरप्रीत कौर ने अपने समर्थकों सहित भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। रतगल गुरुद्वारा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा के नेतृत्व में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने उन्हें सिरোपा पहनाकर और भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल करवाया और उनका स्वागत किया। पार्षद गुरप्रीत कौर के साथ उनके सहयोगी



हरविन्द सिंह (राजू), गगन, नीरज कमल सैनी, बलविन्द सिंह, अरमिन्दर सिंह, सतपाल, राम चरण, जयदीप विपिन कुमार, नरेन्द्र नीतू, (दीपू), सितेन्द्र कुमार, बिन्द,

गुलजार सैनी, सुरेश जोनी ने भी भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि आज पूरे देश और प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर काम कर रही है। इसी से प्रभावित होकर आज हर वर्ग भाजपा से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पार्षद गुरप्रीत कौर के भाजपा में आने से वार्ड 16 ही नहीं, बल्कि पूरे थानेसर शहर में पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी। भाजपा में हर कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान

दिया जाता है और सभी के सहयोग से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। पार्षद गुरप्रीत कौर ने कहा कि वे पूर्व मंत्री सुभाष सुधा की कार्यशैली और भाजपा की विकासवादी सोच से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुई हैं। उन्होंने कहा कि वे वार्ड के विकास के लिए भाजपा के साथ मिलकर काम करेंगी। इस कार्यक्रम के दौरान गुरुद्वारा प्रधान जसविंदर सिंह, रणजीत सैनी, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र जांगड़ा, प्रदीप सैनी, सतीश सैनी, परविंदर सैनी, गुलशन सैनी, रमेश सैनी, दरबारा सिंह, गुरमोति सिंह, प्रीतम सिंह, किरपाल सिंह, सरिता देवी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा की कहानी’ में जिला नूंह का शानदार प्रदर्शन, हरियाणा में तीसरे स्थान पर

वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी ऐजाज खान सम्मानित

नूंह जुबैर खान नूंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों की प्रेरणादायक कहानियों को ‘सेवा की कहानी’ के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया गया। इस अभियान में जिला नूंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे हरियाणा में तीसरा स्थान हासिल किया है। ‘सेवा की कहानी’ अभियान के तहत जिला नूंह में इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का दायित्व वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पुन्हाना विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी चौधरी ऐजाज खान को जिला संयोजक के रूप में सौंपा गया था। उनके मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाले लोगों की कहानियों पर आधारित अलग-अलग रील तैयार की गईं। इन रील के माध्यम से यह दिखाया गया कि केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने से आम लोगों के जीवन में किस प्रकार बदलाव आया है। जिला नूंह की ओर से तैयार की गई रील को पूरे प्रदेश में तीसरा स्थान मिलने पर भाजपा संगठन की ओर से चौधरी ऐजाज खान को सम्मानित किया गया। नूंह भाजपा जिला अध्यक्ष सुर्दे सिंह उर्फ पिंदू एवं जिला प्रभारी दीपक मंगला ने उन्हें सम्मानित करते हुए इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि ‘सेवा की कहानी’



जैसे अभियान के माध्यम से सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों की वास्तविक कहानियां समाज के सामने आती हैं और अन्य लोगों को भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूकता मिलती है। जिला नूंह की रील का प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान हासिल करना जिले के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव की बात है। चौधरी ऐजाज खान ने इस उपलब्धि के लिए भाजपा जिला नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और ‘सेवा की कहानी’ से जुड़े सभी साधियों का आभार जताते हुए कहा कि टीम भावना और मेहनत के चलते नूंह ने प्रदेश स्तर पर यह उपलब्धि हासिल की है।

20 अगस्त की घटना के चार आरोपी जल्द गिरफ्तार होंगे: एसएचओ विद्यासागर

कोसली, (सुनील नडेडा)

20 अगस्त को हुई घटना के मामले में फरार चल रहे चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। थाना प्रभारी (एसएचओ) विद्यासागर ने बताया कि पुलिस आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार मामले में अमन उर्फ लम्बू, हर्ष, मानिक और कपिल आरोपी हैं, जो 20 अगस्त की घटना के बाद से फरार चल रहे हैं। आरोपियों की तलाश में पुलिस उनके संभावित ठिकानों के साथ-साथ निश्चिंतदारी के यहां भी जांच कर रही है। एसएचओ विद्यासागर ने बताया कि पुलिस की विभिन्न टीमों आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किए जाने की उम्मीद है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।



आगामी 6 नवंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची: जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर

► 28 अक्टूबर तक किया जाएगा मतदाताओं से प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निपटारा

पलवल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला पलवल में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य मिशन मोड में जारी है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान के कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं से प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निपटारा 28 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दावों एवं आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत 6 नवंबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समय-सारणी की पूरी तरह पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा सकें।

पलवल। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जिला पलवल में आमजन और युवाओं की भागीदारी से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आगामी 7 अक्टूबर को ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ तथा 21 अक्टूबर को मेगा रोजगार मेले का आयोजन प्रस्तावित है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं, सेवाओं एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के जिला ऑफर ऑल इंचार्ज, मेगा जॉब फेयर के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने जानकारी देते हुए ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ में अधिक से अधिक लोगों से भागीदारी करने का आह्वान किया गया है। आमजन से अपील की गई है कि वे यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेकर ‘सेवा संकल्प अभियान’ को सफल बनाने में सहयोग करें। मेगा जॉब फेयर के नोडल अधिकारी एवं

अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने बताया कि वहीं, 21 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मेगा रोजगार मेले में युवाओं के लिए निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं से अपील की गई है कि वे मेगा जॉब फेयर के लिए अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करवाएं और उपलब्ध रोजगार अवसरों का लाभ उठाएं। अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने बताया कि युवा मेगा रोजगार मेले में भाग लेने के लिए एमल फॉर्म के माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते हैं: सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिला के अधिक से अधिक नागरिकों और युवाओं को सरकार की योजनाओं, सेवाओं तथा रोजगार संबंधी अवसरों की जानकारी उपलब्ध हो और वे इनका लाभ उठा सकें।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यालयों में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा और रचनात्मक सोच

फरीदाबाद। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों, सेवा भावना, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यालयों में पेंटिंग, रंगोली, भाषण आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

ज्ञानेश कुमार को भाजपा का अध्यक्ष बनाना चाहिए - दीपेन्द्र हुड्डा

बीजेपी सरकार जनता का दिल जीतकर नहीं बनी

पानीपत, (चुध) भेदी नजर। ज्ञानेश कुमार, भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रही वोट चोरी के विरोध में आयोजित पानीपत ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कार्यक्रमों सम्मेलन में एआईसीटी हरियाणा प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा पहुंचे। इस दौरान दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार बेहद शांति और तानाशाह सरकार है। उसने साम, दाम, दंड, भेद, सजिश, षडयन्त्र हर तरह के हथकंडे अपनाकर सत्ता हासिल की। हरियाणा समेत हर प्रदेश में वोट चोरी का खेल चला। ज्ञानेश कुमार को भाजपा का अध्यक्ष बनाना चाहिए क्योंकि काम वो भाजपा के लिए कर रहे हैं। वोटों की गिनती के दिन कांग्रेस पार्टी ने 90 में से 75 सीटों पर पोस्टल बैलेट में ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

लेकिन हरियाणा में वोट चोरी ही नहीं, पूरी सरकार चोरी की गई है। इस खेल की पोल 2 चुनाव आयुक्तों ने ही खोल दी। 10 महीने में 14 चिट्ठी लिखकर वोट चोरी के खेल को बेनकाब कर दिया। ये सरकार जनता का दिल जीतकर नहीं बनी अगर बीजेपी ने जनता का दिल जीतकर सरकार बनायी होती तो अपने वायदे याद रखती। लेकिन बीजेपी सरकार जनता को दरकिनार करके चल रही है। बीजेपी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करके लोकतंत्र का गला घोट रही है।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने देश को खोखला कर दिया। आज महंगाई चरम पर है। आर्थिक मंदी छत्र गयी। 12 साल में प्रदेश के नौजवान का भुड्डा बैठा दिया। सारी पक्की सरकारी नौकरी खत्म कर दी।

एचकेआरएन के जरिये कच्ची नौकरी बना दी। जो बची उसमें हरियाणा से ज्यादा हरियाणा के बाहर के बच्चों को नौकरी दी जा रही है। देश का भविष्य सड़कों पर आ गया और सवाल पृष्ठने लगा कि उनका भविष्य, शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा व्यवस्था, रोजगार व्यवस्था बचाने बचाने क्यों हो गयी। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि एक बार फिर हरियाणा के खिलाड़ियों ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। अभी तक जितने भी मेडल देश के खाते में आए हैं उनमें से 60% हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं या टीम के रूप में उनका योगदान है। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ाने में हरियाणा के खिलाड़ी नंबर

एक पर हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने चुनाव के समय वादा किया था कि जिस दिन सरकार बनेगी, बड़े-बुजुर्गों को 6000 रुपये बुढ़ापा पेंशन, हर महिला को लाडो लक्ष्मी योजना में 3100 हर महीने, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, सोनीपत में भाषण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि हुड्डा सरकार वाली 100-100 गज के प्लॉट की स्क्रीम दोबारा शुरू करके 36 बिरादरी के गरीब, एससी, बीसी परिवारों मुफ्त प्लॉट देंगे, पौने दो लाख एचकेआरएन के एंर्लॉर्ड को पक्का करने, सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था।

इस अवसर पर हरियाणा प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, विधायक इंदुराज नरवाल, पूर्व विधायक

मच्छर जनित बीमारियों से रहे सावधान, बरतें सावधानी

► घर व आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छर पनपने के स्थानों को करें समाप्त

रेवाड़ी। डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय मच्छरों की रोकथाम तथा उनके प्रजनन स्थलों को समाप्त करना है। इसके लिए आमजन की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे मच्छरों से होने वाली बीमारियों, विशेषकर डेंगू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सावधानियों का पालन करें। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि नागरिक घर से बाहर निकलते समय पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें तथा आवश्यकता के अनुसार मच्छरदानी का प्रयोग करें। दिन के समय भी मच्छरों से बचाव जरूरी है, क्योंकि डेंगू फैलाने वाला मच्छर दिन के समय भी सक्रिय रहता है। नागरिक मच्छर भगाने वाले साधनों का भी उचित प्रयोग करें। घरों, कार्यालयों और आसपास के क्षेत्रों में कहीं भी पानी जमा न होने दें। कूकर, गमले, टायर, छतों पर रखे बर्तन, टंकियों तथा अन्य ऐसे स्थानों की नियमित सफाई करें, जहां पानी एकत्रित हो सकता है। स्वच्छ एवं सूखा वातावरण बनाए रखकर मच्छरों के प्रजनन को काफी हद तक रोक जा सकता है। डीसी ने बताया कि किसी व्यक्ति को बुखार, तेज सिरदर्द, शरीर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, जी मिचलाना अथवा त्वचा पर लाल चकते जैसे लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लें। डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता एवं जांच अभियान में आमजन सहयोग करें। उन्होंने कहा कि मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं और अपने परिवार को डेंगू से सुरक्षित रखें। जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर डेंगू व अन्य मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान

जाटूसाना ब्लॉक की आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन

► बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समग्र विकास के बारे में किया जागरूक

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला की आंगनबाड़ी केंद्रों में डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की करवाई जा रही हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समग्र विकास के प्रति जागरूक करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों से उनका जुड़ाव और अधिक मजबूत करना है। महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने बताया कि शनिवार को तीसरे दिन जाटूसाना ब्लॉक की आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों को फल एवं मिठाइयों का वितरण भी किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम से संबंधित सामग्री वितरित करते हुए माताओं को विभागीय योजनाओं एवं बच्चों के हित में उपलब्ध सेवाओं की आवश्यक जानकारी भी साझा की गई। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने माताओं से संवाद करते हुए बच्चों की दैनिक गतिविधियों, पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर चर्चा की। माताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा बच्चों से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्राप्त की। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों को समुदाय से जोड़ने और बच्चों एवं माताओं तक विभागीय सेवाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने माताओं से आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 4 अक्टूबर से नाहड ब्लॉक की आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित करवाई जाएंगी।

एक सप्ताह से कोसली-गुरुग्राम बस सेवा बंद, दैनिक यात्रियों की बड़ी परेशानी

कोसली, (सुनील नडेडा) पिछले करीब एक सप्ताह से गुरुग्राम बस डिपो की बसों का कोसली-गुरुग्राम मार्ग पर संचालन बंद होने से इस मार्ग पर पड़ने वाले गांवों के दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बस सेवा बंद होने से रोजना दिल्ली और गुरुग्राम जाने वाले नौकरीपेशा लोगों सहित अन्य दैनिक यात्रियों की सुखिले बंद गई है। यात्रियों का कहना है कि सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बंद होने के कारण उन्हें मजबूरी में निजी वाहनों तथा अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे जहां आने-जाने में अधिक समय लग रहा है, वहीं यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि कोसली-गुरुग्राम मार्ग पर बंद हुई बस सेवा को जल्द से जल्द बहाल किया जाए और बसों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्र के दैनिक यात्रियों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।



वैभव प्रतिभाशाली, लेकिन अवसर के लिए इंतजार करना होगा: गौतम गंभीर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पहला मुकाबला आज

नई दिल्ली। लगातार दो बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीत चुकी भारतीय टीम फेरू सत्र की शुरुआत दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से करेगी। सीरीज से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ काम करने के अनुभव और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई बातचीत को लेकर अपनी बात रखी। जियोस्टार के कार्यक्रम फॉलो द ब्लूज: गौतम गंभीर अर्नाफिस्टर्ड में गंभीर ने श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अय्यर की सबसे बड़ी खूबी उनकी निस्वार्थ भावना है। गंभीर ने कहा, श्रेयस के साथ मेरा पहला अनुभव तब हुआ जब मैं 2024 में केकेआर में गया था, जहां वह कप्तानी कर रहे थे। श्रेयस के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह कई बार अपनी बल्लेबाजी की स्थिति छोड़ने के लिए तैयार रहते थे। वह इतने लचीले थे कि अगर कोई और खिलाड़ी उनसे ऊपर बल्लेबाजी करने जाता था तो भी उन्हें कोई समस्या नहीं थी। ऐसा बहुत कम होता है कि कोई कप्तान, जो शायद आपकी टीम का मुख्य बल्लेबाज भी हो, टीम के हित में अपनी बल्लेबाजी की स्थिति किसी और के लिए छोड़ दे, चाहे वह किसी और खिलाड़ी को प्रभाव पैदा करने



का मौका देने के लिए हो या बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन के दृष्टिकोण से। तभी मुझे एहसास हुआ कि एक अच्छे नेता की सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण खूबी यह है कि आप कितने निस्वार्थ हैं। उन्होंने आगे कहा, श्रेयस में यह खूबी है और कप्तान के रूप में अपने आगे के सफर में वह इसे एक बड़ी ताकत के रूप में लेकर चल सकते हैं। आप मेहनती हो सकते हैं, अनुशासित हो सकते हैं, फिट हो सकते हैं, दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज हो सकते हैं। लेकिन अगर आप निस्वार्थ नहीं हैं तो वाकी सभी चीजें बेकार हो जाती हैं। श्रेयस में ये सभी खूबियां हैं और इसके ऊपर उनमें वह निस्वार्थ भावना भी है। वैभव सूर्यवंशी को लेकर हुई बातचीत



के बारे में गंभीर ने कहा कि युवा खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण उन्हें अपने अवसर का इंतजार करना पड़ सकता है। गंभीर ने कहा, यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह शानदार फॉर्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की वजह से उन्हें अपने अवसर के लिए इंतजार करना होगा। और एक और बात है, सोशल मीडिया या बाहर का शोर प्लेइंग इलेवन तय नहीं करता। यह इस बात पर निर्भर करता है कि ड्रेसिंग रूम में कौन, या कोच और कप्तान किसे लगता है कि वह हमें मैच जिता सकता है, या सर्वश्रेष्ठ

प्लेइंग इलेवन क्या है, और कौन इतने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा, क्योंकि अगर वैभव आज खेलते हैं तो मेरे और उस खिलाड़ी के बीच एक मुश्किल बातचीत होगी जिसे हम बाहर रखते हैं, चाहे वह अभिषेक हों या संजू। इसलिए हम अचानक उस संयोजन को नजर अंदाज नहीं कर सकते जिसने पिछले डेढ़ या दो वर्षों में इतना प्रभाव पैदा किया है और तीन या चार असफलताओं के बाद उन्हें बाहर कर ऐसे युवा खिलाड़ी को मौका दे दें जो बेहद प्रतिभाशाली हैं और बहुत अच्छी फॉर्म में भी हैं। इसलिए कभी-कभी आपको अपने अवसर के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि हम उस ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा की भावना पैदा करना चाहते हैं। गंभीर ने टीम में निरंतरता बनाए रखने और लोकप्रिय फैसलों के बजाय सही फैसले

लेने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरे शायद मेरे लिए सबसे मुश्किल काम सही फैसले लेना है। और हमने संजू और अभिषेक के साथ जारी रखने का सही फैसला लिया है। खेल के इतिहास में कोई भी टीम एक विश्व कप से दूसरे विश्व कप तक अपराजित नहीं रही है और फिर दोबारा विश्व कप नहीं जीता है। अचानक एक खराब सीरीज या यहां-वहां तीन खराब मैच उन्हें खराब खिलाड़ी नहीं बना देते और न ही हमें खराब टीम बना देते हैं। इसलिए हमारे लिए निरंतरता बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण था। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पहला मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

सार समाचार

नेशंस लीग: पुर्तगाल ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह, नॉर्वे को 2-1 से हराया



नई दिल्ली। पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रही पुर्तगाल टीम ने 79वें मिनट में गोंकालो रामोस के विजडिंगोल की मदद से नॉर्वे को 2-1 से हराया। क्रिस्टोफर अजेर ने शानदार हाफ-वॉली के जरिए मेहमान टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन दो मिनट बाद ही जोआओ कैसेलो ने शानदार अंदाज में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने बढ़त हासिल कर ली। जोआओ फेलिक्स के शानदार पास पर गोंकालो रामोस ने गोल लगाया। दो बार नेशंस लीग का खिताब जीत चुकी पुर्तगाल की टीम ने मैच के अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी और ग्रुप ए.4 में जीत का सिलसिला जारी रखा। हालांकि, मैच के आखिरी मिनटों में फ्रांसिस्को कोर्सेकाओ को दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा, लेकिन इससे टीम की जीत पर कोई असर नहीं पड़ा। वहीं दूसरी ओर, रासमस होजलुंड और जोशुआ जर्कजी ने अहम भूमिका निभाई और डेनमार्क तथा नीदरलैंड्स ने भी महत्वपूर्ण जीत हासिल की। होजलुंड की सही हुई पेनल्टी ने डेनमार्क को इस कैपेन की दूसरी जीत दिलाई और वेल्स के खिलाफ अपनी अजेय बढ़त को पांच मैचों तक बढ़ा दिया। वेल्स ने मैच की शुरुआत अच्छी की और गेंद पर ज्यादा कब्जा रखते हुए ब्रेनन जोनसन और लुईस क्रौमस के जरिए कई हमले किए। हालांकि, धीरे-धीरे डेनमार्क ने वापसी की और हाफ-टाइम से पहले गुस्ताव इयाकसेन और ऑलिवर प्रोवस्टगार्ड गोल करने के करीब पहुंच गए।

गोल्हरहित ड्रॉ रहा जर्मनी और ग्रीस के बीच खेला गया मुकाबला



थेसालोनीकी (ग्रीस)। जर्मनी की टीम ने ग्रीस के खिलाफ गोल्हरहित ड्रॉ खेलकर अपना इंटरनेशनल ब्रेक समाप्त किया। 2026/27 यूईएफए नेशंस लीग में चार मैचों के बाद जर्मनी के पांच अंक हैं। टीम अपने ग्रुप में नीदरलैंड्स और ग्रीस के बाद तीसरे स्थान पर बनी हुई है। जर्मनी पर अपनी पहली जीत दर्ज करने के एक हफ्ते बाद ग्रीस ने थेसालोनीकी में गोल्हरहित ड्रॉ खेलकर अपनी अजेय लय जारी रखी। टीम ने पूरे मैच में दबाव डेला, लेकिन हार से बचने में सफल रही। मैच में पहला अछूत मौका ग्रीस को मिला, जब जियोर्गोस मासीरास के हेडर को जर्मनी के गोलकीपर जोनास ऑर्बिंग ने शानदार तरीके से रोक दिया। इसके बाद जर्मनी ने पहले हाफ में लगातार हमले किए और 15 शॉट लगाए। ग्रीस के गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने भी डेविड राउम के खतरनाक शॉट को बचाकर टीम को बढ़त लेने से रोका। दूसरे हाफ में दोनों टीमों को ज्यादा बड़े मौके नहीं मिले। जर्मनी के फिलिप ट्रेड के पास गोल करने का अच्छा मौका था, लेकिन उनका करीब से लगाया गया हाफ-वॉली शॉट गोल पोस्ट के ऊपर निकल गया। ग्रीस को मैच के दूसरे ही मिनट में गोल करने का बड़ा मौका मिला, लेकिन जियोर्गोस मासीरास के हेडर को जर्मनी के गोलकीपर जोनास ऑर्बिंग ने शानदार बचाव से रोक दिया। इसके बाद जर्मनी ने खेल पर धीरे-धीरे नियंत्रण बना लिया। फ्लोरियन विटर्ज ने बेहतरीन ड्रिब्लिंग के बाद जर्मनी के लिए गोल करने का पहला मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट ब्लॉक कर दिया गया। 120वें मिनट में विटर्ज के पास पर बुर्कहार्ट को मौका मिल सकता था, लेकिन गेंद उनके सिर की बजाय साथी खिलाड़ी से टकरा गई।

चाइना ओपन: जोकोविच ने ज्वेरेव को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

बीजिंग। नोवाक जोकोविच ने टॉप सीड अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-4, 6-4 से मात देकर चाइना ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही उन्होंने एटीपी 500 टूर्नामेंट में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। साल 2015 के बाद बीजिंग में जोकोविच का यह पहला मैच था। उन्हें ज्वेरेव से कड़ी टक्कर मिली, जो इस मैच से पहले फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन के मौजूदा चैंपियन थे। जर्मन खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत की और अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए जोकोविच को परेशान किया, जिससे उन्होंने पहला सेट 6-4 से जीत लिया। हालांकि, सर्बियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और टॉप सीड से मैच पर पकड़ बनाना शुरू कर दिया। मैच का निर्णायक मोड़ दूसरे सेट के आखिर में आया। जब स्कोर 4-4 से बराबर था, तो जोकोविच ने अपना खेल बेहतर किया और 10वें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस पर सेट जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया। आखिरी सेट में दोनों के बीच कड़ी टक्कर हुई और कोई भी स्पष्ट बढ़त नहीं बना सका। फिर भी, जोकोविच ने हमेशा की तरह सबसे अहम मौकों पर अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस दिखाया। स्कोर 4-4 होने पर, सर्बियाई खिलाड़ी ज्वेरेव की सर्विस तोड़ने में कामयाब रहे और निर्णायक बढ़त हासिल की। इसके बाद उन्होंने शांत रहकर अपनी सर्विस पर मैच जीता और 4-6, 6-4, 6-4 से जीत पक्की की।



एशियन गेम्स: 13 वर्षीय यू जिडी और थाईलैंड के पुरीपोल बूनसन चुने गए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर

नागोया। ओलंपिक कार्टिसिल ऑफ एशिया (ओसीए) ने रविवार को एशियन गेम्स 2026 में चीन की 13 वर्षीय स्विमिंग स्टार यू जिडी और थाईलैंड के स्प्रिंटर पुरीपोल बूनसन को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) चुना। यू जिडी और पुरीपोल बूनसन ने कई गोल्ड मेडल जीतने के साथ कई एशियन गेम्स और एशियन रिकॉर्ड्स भी बनाए। दोनों एथलीट्स को ओसीए की तरफ से 25,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। महज 13 वर्षीय यू जिडी स्विमिंग में तीन व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतकर गेम्स के सबसे बड़े स्टार्स में से एक बनकर उभरीं। उन्होंने महिलाओं की 200 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले और 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में जीत हासिल की और इस दौरान तीन गेम्स रिकॉर्ड और एक एशियन रिकॉर्ड बनाया। उनका पहला रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन 20 सितंबर को 200 मीटर बटरफ्लाई स्प्रेंट में हुआ, जब उन्होंने 2:05.08 का समय लेकर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। एक दिन बाद, यू ने 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में और भी शानदार प्रदर्शन किया। 2:06.10 के समय के साथ उन्होंने गेम्स



रिकॉर्ड बनाया और एशियन रिकॉर्ड को भी बेहतर किया। उन्होंने 23 सितंबर को 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले को 4:28.56 में जीतकर गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की, जो एक और गेम्स रिकॉर्ड था। वहीं, बूनसन ने पुरुषों के स्प्रिंट इवेंट्स में दबदबा बनाते हुए थाईलैंड के लिए 100 मीटर और 200 मीटर दोनों रेस में जीत हासिल की। 20 वर्षीय स्प्रिंटर ने अपने अभियान के दौरान चार एशियन गेम्स रिकॉर्ड बनाए और एक एशियन रिकॉर्ड की बराबरी की। 25 सितंबर को

पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में बूनसन ने 9.90 सेकंड में गोल्ड मेडल जीता और सेमीफाइनल में बनाए गए 9.91 सेकंड के एशियन गेम्स के रिकॉर्ड को बेहतर किया। दो दिन बाद, उन्होंने 200 मीटर दौड़ में भी जीत हासिल करके स्प्रिंट डबल पूरा किया। 19.88 सेकंड के उनके विजई समय ने एक दिन पहले बनाए गए 20.10 सेकंड के उनके ही खेलों के रिकॉर्ड को तोड़ा और एशियन रिकॉर्ड की बराबरी की। बूनसन ने थाईलैंड को मिक्स्ड 4.100 मीटर रिले

टीम के सदस्य के तौर पर सिल्वर मेडल भी जीता, जिससे उनके लिए ये खेल बेहद सफल रहे। यू और बूनसन अब उन शानदार एथलीट्स की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्हें ओसीए एशियन गेम्स एमवीपी अवार्ड मिला है। पिछले विजेताओं में जापान के कोजी इतो (1998), कोसुके किताजिमा (2002 और 2014), चीन के पार्क ताए-ह्वान (2006), लिन डैन (2010), चीन की रिकाको इकी (2018) और किन हैयांग के साथ-साथ झांग युफेई शामिल हैं, जो 2022 में क्रमशः पुरुष और महिला विजेता थे। 2026 के एमवीपी को चुनने वाले पांच सदस्यीय पैनल में इकराम, ओसीए के डिप्टी डायरेक्टर जनरल विनोद कुमार तिवारी, ओसीए एथलीट्स कमिटी की चेयर डिंग निंग, ओसीए स्पोर्ट्स कमिटी के चेयर सांग लुजेंग और ओसीए स्पोर्टिंग एशिया न्यूजलेटर के एडिटर जेरेमी वॉकर शामिल थे। अब जब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक करीब है, ओसीए का मानना है कि यू और बूनसन का प्रदर्शन एशिया के दो उभरते हुए स्पोर्ट्स स्टार्स के लिए और भी बड़े इंटरनेशनल करियर की शुरुआत हो सकता है।

व्यापार

फ्लाई91 विंटर शिड्यूल में उड़ानों में 26 प्रतिशत की वृद्धि करेगी

नई दिल्ली। क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी फ्लाई91 ने अपने इस साल 25 अक्टूबर से शुरू हो रहे विंटर शेड्यूल 2026-27 में उड़ानों की संख्या में 26 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। एयरलाइंस ने बताया कि कंपनी के छठे एटी-आर विमान के बेड़े में शामिल होने के बाद वह नवी मुंबई से विभिन्न शहरों के लिए उड़ानें शुरू करेगी। इससे विंटर शिड्यूल में साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 280 से बढ़ाकर 354 हो जाएगी। साथ ही, नवी मुंबई उसके नेटवर्क में शामिल होने वाला 14वां हवाई अड्डा बन जाएगा। फ्लाई91 ने बताया कि नवी मुंबई से सिंधुदुर्ग, जलगांव, गोवा और लक्षद्वीप के अमाती से जोड़ेगी। इसके अलावा तिरुपति के लिए उड़ानें बढ़ाई जाएंगी जहां से पिछले महीने सेवा शुरू की गई थी। विंटर शिड्यूल से तिरुपति और हैदराबाद के बीच दिन में दो बार उड़ानें उपलब्ध होंगी। साथ ही, मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को दोनों शहरों के बीच तीसरी उड़ानें भी होंगी। तिरुपति-विजयवाड़ा सप्ताह में तीन दिन झ मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को - सेवा उपलब्ध होगी। तिरुपति-राजमुंदरी के बीच सोमवार और शुक्रवार को उड़ानों का संचालन होगा। सप्ताह में दो बार चलने वाली तिरुपति-बेंगलुरु सेवा की शुरुआत की जाएगी जो बुधवार और रविवार को उपलब्ध होगी। फ्लाई91 ने हाल ही में 40 एटीआर विमानों का दिया था। यह दुनिया में किसी भी क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। फ्लाई91 के संस्थापक, प्रबंध निदेशक प्रबंध निदेशक एवं मुख्य



कार्यकारी अधिकारी मनोज चाको ने कहा, विंटर शेड्यूल 2026-27 फ्लाई91 की विकास की यात्रा में एक अहम पड़ाव है। हम अपनी साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 280 से बढ़ाकर 354 कर रहे हैं और नवी मुंबई में ऑपरेशन शुरू करके अपने नेटवर्क को 14 गंतव्यों तक बढ़ा रहे हैं। साथ ही, यात्रियों की जबरदस्त मांग को देखते हुए हम तिरुपति के लिए संपर्क को काफी मजबूत कर रहे हैं। जैसे-जैसे हमारा नेटवर्क बढ़ रहा है, हम विमान के इस्तेमाल को बेहतर बना पा रहे हैं, यात्रियों के लिए संपर्क के विकल्प बढ़ा पा रहे हैं और बेहतर परिचालन क्षमता हासिल कर पा रहे हैं।

सीतारमण ने कहा- नए द्विपक्षीय निवेश संधि ढांचे को जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) का नया ढांचा तैयार है। इसे निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल बनाने के उद्देश्य से जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बावजूद भारत निवेश सुरक्षा समझौतों पर बातचीत जारी रखे हुए है। वित्त मंत्री सीतारमण नई दिल्ली में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक चर्चा के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से तैयार किए जा रहे नए खाके का उद्देश्य 2016 में मंजूर किए गए खाके की खामियों को दूर करना और दोनों देशों के निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि भारत में संयुक्त अरब अमीरात (यूईई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ भी इसी तरह के समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि हम कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं और उनमें नए खाके में शामिल कई और प्रावधानों को शामिल किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की कनाडा और रूस समेत कई देशों



के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी है। अगर बातचीत उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ती है, तो कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक पूरी हो सकती है। भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखे हुए हैं और अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं और उनमें नए खाके में शामिल कई और प्रावधानों को शामिल किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की कनाडा और रूस समेत कई देशों

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों की प्रमुख विशेषता भारत के पक्ष में व्यापार असंतुलन है, अमेरिका अपने व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका अपने नजरिये से उन चीजों की भरपाई करने की कोशिश करेगा, जिन्हें उसका मानना है कि उसने वर्षों से खोया है। चीन के साथ भारत के व्यापार संबंधों की तुलना करते हुए सीतारमण ने कहा कि व्यापार असंतुलन का पारंपरिक रूप से बातचीत के जरिये समाधान किया जाता रहा है और देश अपने सामान तथा सेवाओं के लिए अधिक बाजार पहुंच की मांग करते रहे हैं।

सार समाचार

कर्मचारियों के बीमा पर चुकाए गए जीएसटी पर आईटीसी का दावा कर सकेंगे नियोजता



नई दिल्ली। नियोजता अपने कर्मचारियों को बीमा आवरण देने के लिए जीप्रोमियम चुकाते हैं, जल्द ही वे उस पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा कर सकते हैं। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद सात अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में इससे संबंधित एक प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। जीएसटी कानून के तहत व्यक्तियों द्वारा अपने या अपने परिवार के लिए जीवन या स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने पर जीएसटी से छूट प्राप्त है। हालांकि, जब कोई कारोबारी संस्थान अपने कर्मचारियों के लिए जीवन या स्वास्थ्य बीमा खरीदता है, तो उस पर कर लगाया जाता है और अब तक कंपनियां इस पर आईटीसी का दावा नहीं कर सकती हैं। इस समय ऐसी सभी समूह बीमा पॉलिसियों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाया जाता है। जीएसटी परिषद अब कारोबारियों को कर्मचारियों के लिए बीमा कवर खरीदने पर क्रेडिट का दावा करने की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार करेगी। सूत्रों ने कहा, इससे हर नियोजता के लिए कर्मचारियों को बीमा उपलब्ध कराना सस्ता हो जाएगा। सूत्रों ने आगे बताया कि लगभग हर संगठित नियोजता अपने कर्मचारियों को बीमा कवर देता है, इसलिए यह सुविधा उपलब्ध कराने की लागत कम होगी। इससे बीमा का दायरा बढ़ाने में मदद मिलेगी और स्वयं बीमा उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा।

पीएमजीएसवाई के चिंतन शिविर में बोले शिवराज सिंह धरातल पर आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों के ठोस समाधान खोजें

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के शिविर में अधिकारियों और अभियंताओं से कहा कि वे इसे केवल औपचारिक “कर्मकांड” न रहने दें, बल्कि धरातल पर आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों के ठोस और नवाचारपूर्ण समाधान खोजें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीएमजीएसवाई का अगला चरण केवल सामान्य निर्माण का नहीं, बल्कि ‘क्वालिटी कनेक्टिविटी’ (गुणवत्तापूर्ण संपर्क) का होना चाहिए।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह सोमवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडप में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, ग्रामीण विकास सचिव रोहित कंसल सहित सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से आए पीएमजीएसवाई के सचिव, मुख्य अभियंता और विशेषज्ञ उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि पीएमजीएसवाई के चौथे चरण में 62



हजार किलोमीटर नई सड़कों का लक्ष्य मिला है, जिसमें से 20 हजार किलोमीटर की स्वीकृति हो चुकी है और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करना है। उन्होंने अपने संबोधन शुरूआत में कहा कि बापू ने कहा था कि विकसित भारत का रास्ता खेतों की पाण्डों और गांव की गलियों से होकर जाता है। जब तक गांव का विकास नहीं होगा, तब तक देश का समग्र विकास अधूरा है। उन्होंने अपने बाल्यकाल का संस्मरण साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्हें गांव से भोपाल पढ़ने जाने के लिए 13 किलोमीटर का रास्ता पाण्डियों और कीचड़ के बीच घोड़े पर बैठकर तय करना पड़ता था। उन्होंने कहा, “मैंने उस दर्द को अपनी आंखों से देखा है जब सड़क न होने के कारण

◆ अब चौथे चरण में 62 हजार कि.मी. का नया संकल्प: शिवराज सिंह

गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को खटिया पर लादकर ले जाया जाता था और वे रास्ते में ही दम तोड़ देते थे।” उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रसिद्ध पंक्तियों का स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने देश के ग्रामीण जनजीवन और अर्थव्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। अब तक देश में करीब 8.50 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बन चुकी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीएमजीएसवाई के चौथे चरण में 62 हजार किलोमीटर नई सड़कों का लक्ष्य मिला है, जिसमें से 20 हजार किलोमीटर की स्वीकृति हो चुकी है और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करना है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने परियोजनाओं में होने वाली देरी पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि स्वीकृति मिलने से लेकर निर्माण कार्य शुरू होने तक के लिए 72 दिन की समय-सीमा निर्धारित है, लेकिन कुछ राज्य इसका उल्लंघन कर रहे हैं।

मुंबई-बेंगलुरु के बीच जल्द दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

एजेंसी, मुंबई

भारतीय रेलवे मुंबई और बेंगलुरु के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने की तैयारी में है। रेलवे बोर्ड की ओर से इस सेवा को लेकर अधिसूचना जल्द जारी किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, इस महीने के अंत तक ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जा सकती है। इस सेवा के शुरू होने के बाद मुंबई-बेंगलुरु के बीच यात्रा का समय मौजूदा करीब 24 घंटे से घटकर 16 घंटे से भी कम होने की उम्मीद है।

भारतीय रेलवे ने मुंबई के सीएसएमटी से केएसआर बेंगलुरु के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा शुरू करने की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सेवा शुरू होने में हुई देरी के बाद अब रेलवे प्रशासन इसे जल्द से जल्द शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है। प्रस्तावित समय-सारिणी के अनुसार, यह प्रीमियम स्लीपर ट्रेन सप्ताह में 6 दिन दोनों दिशाओं में चल सकती है।

वर्तमान में मुंबई और बेंगलुरु के बीच सीधी चलने वाली उद्यान एक्सप्रेस इस दूरी को तय करने में औसतन करीब 24 घंटे लेती है। ऐसे में वंदे भारत स्लीपर के शुरू होने से



◆ इस सफर के लगभग 16 घंटे में पूरा होने की संभावना

यात्रियों के समय में काफी बचत होने की संभावना है। अस्थायी समय-सारिणी के अनुसार, ट्रेन केएसआर बेंगलुरु से रात 10 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1:50 बजे मुंबई सीएसएमटी पहुंच सकती है। वहीं, वापसी में ट्रेन मुंबई सीएसएमटी से रात 10:30 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1:50 बजे बेंगलुरु पहुंचने की संभावना है।

हालांकि, यह समय-सारिणी अभी अंतिम नहीं है और रेलवे प्रशासन इसमें बदलाव कर सकता है। ट्रेन के संभावित ठहरावों में अनंतपुर, गुंतकल, रायचूर, कलबुर्गी, सोलापुर और कल्याण शामिल हो सकते हैं। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में कुल 16 यात्री कोच होंगे।

दलित कार्यकर्ता डॉ. रोहिणी घावरी ने सांसद चंद्रशेखर पर लगाए शोषण के आरोप

प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

दलित कार्यकर्ता एवं पीएचडी स्कॉलर डॉ. रोहिणी घावरी ने सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ शोषण का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इस दौरान उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए और आरोप लगाया कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

डॉ. रोहिणी घावरी ने मीडिया से कहा, “उनकी यह कानूनी लड़ाई 6 अगस्त, 2025 से शुरू हुई थी और अब तक करीब 18 महीने का समय बीत चुका है। जब आपके साथ कोई घटना घटती है, तो आप कानून का सहारा लेते हैं। देश की बेटियों को कानून और न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मैं आज भी इस उम्मीद



के साथ अदालत आई हूं कि मेरी आवाज सुनी जाएगी।”

डॉ. रोहिणी ने बताया कि वह न्याय की आस में स्विट्जरलैंड में अपना स्थापित करियर छोड़कर भारत लौटी हैं। उन्हें विश्वास था कि अपने लोगों के बीच रहकर और अदालत के समक्ष अपनी बात रखकर उन्हें निष्पक्ष न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने उनकी शिकायत को गंभीरता से लेने के बजाय उन्हें परेशान किया। उन्हें संसद मार्ग थाना में लगातार 12 घंटे तक बैठाए रखा गया। इसके अलावा, हवाई अड्डे पुलिस स्टेशन में भी उनके साथ इसी तरह का व्यवहार किया गया और कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

शिक्षक भर्ती को लेकर राहुल गांधी ने मप्र के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, आंदोलनकारियों के नोटिस वापस लेने की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में शिक्षक भर्ती वर्ग-2 और वर्ग-3 में पदों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने भर्ती में पदवृद्धि के साथ आंदोलन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को जारी नोटिस तत्काल वापस लेने, उनके प्रतिनिधियों से संवाद करने और दूसरे चरण की काउंसिलिंग जल्द शुरू कराने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि इंदौर में आयोजित ‘छात्रों की गुंज’ कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश के शिक्षक अभ्यर्थियों ने वर्ग-2 और वर्ग-3 की भर्ती में पदवृद्धि का मुद्दा प्रमुखता से उनके सामने उठाया था। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से ही एक लाख से अधिक शिक्षकों के



पद रिक्त हैं। शिक्षकों की कमी का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई और शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है। इसके बावजूद शिक्षक भर्ती-2025 के तहत वर्ग-3 में केवल 13,089 और वर्ग-2 में 10,800 पदों पर भर्ती निकाली गई है।

राहुल ने कहा कि प्रदेश के युवा अभ्यर्थियों की मांग है कि शिक्षक भर्ती में रिक्तियों के अनुरूप पदों की संख्या बढ़ाई जाए। इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने में मदद मिलेगी और हजारों योग्य युवाओं को नियमित सरकारी

रोजगार का अवसर मिलेगा। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने चयन परीक्षा में अच्छे अंक हासिल किए हैं। इनमें कई ऐसे अभ्यर्थी भी हैं, जो लंबे समय से अतिथि शिक्षक के तौर पर सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं और नियमित नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती में पदों की संख्या सीमित रहने से चयन परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कई अभ्यर्थी भी नियुक्ति से वंचित रह गए हैं। लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया और नियुक्ति का इंतजार कर रहे कुछ अभ्यर्थी अब निर्धारित आयु सीमा के करीब पहुंच रहे हैं। ऐसे में पदों की संख्या बढ़ाना उनके लिए रोजगार के अवसर को बनाए रखने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। राहुल ने मुख्यमंत्री से अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने पत्र में वर्ग-2 एवं वर्ग-3 शिक्षक भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाने

के साथ दूसरे चरण की काउंसिलिंग भी शीघ्र शुरू कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने से उन अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी, जो परीक्षा में सफल होने के बाद नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। साथ ही इससे प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने में भी मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि शिक्षक भर्ती वर्ग-2 एवं वर्ग-3 के अभ्यर्थियों ने इससे पहले प्रदेश संयोजक दीप्ति ठाकुर के नेतृत्व में राहुल गांधी को विस्तृत मांग-पत्र भेजा था। इसमें अभ्यर्थियों ने शिक्षा विभाग में स्वीकृत पदों की संख्या और मौजूदा भर्ती के बीच अंतर का मुद्दा उठाया था। अभ्यर्थियों का दावा है कि शिक्षा विभाग में 1.15 लाख से अधिक पद स्वीकृत होने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया में अपेक्षाकृत कम पद शामिल किए गए हैं।

लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया

‘यारिया’ से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अभिनय की दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अभिनय की बारीकियां सीख चुके थे। ‘मुजफ्फर नगर’, ‘जंठवन वाराणसी’, ‘बेखुदी’ जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजा-तरीन फिल्म महाकाव्य ‘श्री रामायण कथा’ से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं।

सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को ‘रामायण’ में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, ‘हां, यह सच है। ‘रामायण’ में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कोशिश

कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात किराटिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 1 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरूआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणबीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ।’

पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं उन्होंने आगे कहा, ‘ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के चयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उन्हीं के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद ‘रामायण’ मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निदेशक अभिषेक का फोन आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, ‘मैं आपको लक्ष्मण

के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूं।’ उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी ‘रामायण’ में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला।’

कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा अभिनय की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ ‘कृष 3’ में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, ‘जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से गैजुएशन करने और तेलुगू अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला। फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्युनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्युनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था। मेरे लिए यह किसी सुपरपावर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर ऑटिस्ट और क्रू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था।’

अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है

राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, ‘देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कटौत क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को समझकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हम इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन रावण भी हर मन में मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परवरिश, संस्कार और कम तय करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।’